



PHARMA NEWS

Editor- Brijesh Kumar Garg

www.medicaldarpan.com

Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2018-2020 RNI UPBIL/2007/27885

Year 14 | Issue 01 | D.O.P. 10 September 2020 | Pages 08 | ₹ 10/- Per Copy | 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

**Professional People For Marketing And Franchisees
May Contact For Profit Sharing Business**

AYURVEDIC & NUTRACEUTICALS

Comprehensive Formulation Facility

- Third Party Manufacturing
- Export Inquiries for Regulated Markets
- PCD/Franchisee for unrepresented Area
- Monopoly Business Rights

Tablets, Capsules

Syrup & Sachet

Oil (Herbal & Cosmetic)

Powder Protein Powder, Whey & Herbal Protein

External Preparation Creams, Lotions, Face Wash, Shampoo & Soap

Office: 206, Blue Star Plaza, Sarja Mkt., Opp. M2K, Sector 7, Rohini, Delhi-110085
Works: Plot No. 6, Sector-56, Phase-4, HSIIDC, Kundli-131028 (Haryana)
Ph.: 011 2704 0437, 9810165707
Email: bsnsp@gmail.com

BLUE STAR LABORATORIES, **MAYLEBENS INDIA PVT. LTD.**, **BLUE STAR NUTROSCIENCE PVT. LTD.**

अब फार्मासिस्टों के बनेंगे पहचान पत्र

जयपुर- राजस्थान फार्मसी काउंसिल में 55 हजार पंजीकृत फार्मासिस्टों के पहचान पत्र बनाने का निर्णय लिया है, ताकि उन्हें पहचान मिल सके। आईडेंटिटी कार्ड में रजिस्ट्रेशन नंबर, नाम, पता, मोबाइल नंबर अंकित होगा। इससे ड्रग विभाग को ओर से निरीक्षण के दौरान किसी भी ड्रग स्टोर पर पंजीकृत फार्मासिस्ट के बारे में इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे किसी तरह की आपात स्थिति में सेवा दे सकेंगे। इसके अलावा फार्मसी का अध्ययन करने वाले, बरोंजगार को रोजगार दिलाने और हरेक तरह से अपडेट के हिसाब से हर माह न्यूज 'एडजुड बुलेटिन' निकालेगा। इसमें नई दवा, नई रिसर्च, रोजगार, मान्यता प्राप्त संस्थान, पीसीआई के दिशा-निर्देश, काउंसिल की प्रगति रिपोर्ट और नई-नई योजनाओं की जानकारी प्रकाशित की जाएगी। साथ ही एक्सिडेंटल पॉलिसी बनाने पर भी विचार कर रहा है। बीमा कंपनी से वार्ता जारी है। यह निर्णय हाल ही में आयोजित काउंसिल के सदस्यों की मीटिंग में लिया गया। बैठक में पंजीकृत फार्मासिस्टों का सामूहिक दुर्घटना बीमा करवाना, ड्रग इंफॉर्मेशन सेंटर खोलना और पंजीकरण की प्रक्रिया सरल बनाने की योजना प्रस्तावित है। राजस्थान फार्मसी काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. ईश मूंजाल का कहना है कि फार्मासिस्टों के शैक्षणिक स्तर में सुधार, हरेक तरह से अपडेट रहने तथा समाज में रहकर क्वालिटी से युक्त सेवा देने के लिए काउंसिल की अनेक योजना प्रस्तावित है। जल्द ही लागू की जाएगी। जिससे आमजन को भी फायदा मिलेगा।

में पंजीकृत फार्मासिस्टों का सामूहिक दुर्घटना बीमा करवाना, ड्रग इंफॉर्मेशन सेंटर खोलना और पंजीकरण की प्रक्रिया सरल बनाने की योजना प्रस्तावित है। राजस्थान फार्मसी काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. ईश मूंजाल का कहना है कि फार्मासिस्टों के शैक्षणिक स्तर में सुधार, हरेक तरह से अपडेट रहने तथा समाज में रहकर क्वालिटी से युक्त सेवा देने के लिए काउंसिल की अनेक योजना प्रस्तावित है। जल्द ही लागू की जाएगी। जिससे आमजन को भी फायदा मिलेगा।

Contact for
**PCD Franchise/Pharma Franchise/
Pharma Distributionship/Monopoly rights for
Pharmaceutical/Nutritional/Derma/
Cosmetology Products**

E-mail : bluewater.chd@gmail.com
Call & Whatsapp : 98 72 444 554

पतंजलि की दवा के नाम पर मेडिकल स्टोर संचालक से लाखों ठगे

रुद्रपुर- रुद्रपुर में गुप्ता मेडिकल स्टोर संचालक से पतंजलि योगपीठ की दवा के नाम पर 2.44 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीठित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी सेल्स मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार गौल मार्केट निवासी सुनील कुमार गुप्ता को घर के पास ही गुप्ता आयुर्वेदिक नाम से दुकान है। उसका संपर्क सुनील नाम के व्यक्ति से हुआ। सुनील ने बताया कि वह पतंजलि योगपीठ हरिद्वार का सेल्स मैनेजर है। पतंजलि योगपीठ की दवा बेचता है। उसने अपना कर्मचारी कोड 1034 भी बताया। साथ ही उनसे सेल्समैन ने पतंजलि माल उत्पादक खरीदने के लिए आग्रह किया। उसकी बातों में आकर मेडिकल स्टोर संचालक सुनील कुमार गुप्ता ने 2.44 लाख रुपये उसके खाते में डालकर दवा का आर्डर दे दिया। काफी समय बीतने के बाद भी दवा नहीं आई। जब उन्होंने सेल्स मैनेजर के नंबर पर कॉल किया तो वह बंद था। ठगी का अहसास होने पर सुनील कुमार गुप्ता ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी सेल्स मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

होने पर सुनील कुमार गुप्ता ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी सेल्स मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रूस ने कर दिखाया चमत्कार

आखिर रूस के पास ऐसा क्या है कि उसने दुनिया को पीछे छोड़ते हुए कम समय में कोरोना संक्रमण की वैक्सीन विकसित कर ली है? आखिर रूसी राष्ट्रपति पुतिन को इस पर इतना भरोसा क्यों है कि उन्होंने खुद अपनी बेटी पर इसका ट्रायल करा दिया? यहां जानें सेहत और तकनीक की बात...मंगलवार (11 अगस्त) को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात की घोषणा कर दी कि उनके देश ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए दुनिया की पहली वैक्सीन बना ली है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस वैक्सीन को रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी अप्रूव कर दिया है और खुद पुतिन ने अपनी बेटी को इस कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाया है। लेकिन बिना डेटा सार्वजनिक किए तैयार की गई इस वैक्सीन के प्रति इतने भर से विश्वास नहीं जीता जा सकता। यही वजह है कि यूके खुलकर कह रहा है कि वह अपने देश के लोगों को इस वैक्सीन का टीका नहीं लगाएगा तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहले इस वैक्सीन पर चिंता जताई और बाद में इस वैक्सीन के प्रभावशाली होने के सबूत मांगे... यह कह रहा है WHO. भारत सरकार और भारतीय नागरिकों को पूरा भरोसा है कि रूसी कोरोना वैक्सीन, कोरोना वायरस का खात्मा करने में अपना सबसे बड़ा रोल करेगी। -विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रूस ने इस वैक्सीन से जुड़ी सभी रिसर्च और स्टडीज को सार्वजनिक करने के लिए कहा है। इसके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वैक्सीन को रजिस्टर करने से पहले इसका क्लिनिकल ट्रायल पूरा करने के लिए भी कहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रूस द्वारा तैयार की गई स्तुतिक वैक्सीन के प्रभाव को लेकर चिंता जाहिर की थी। कोरोना वैक्सीन से जुड़ी रूस की तकनीक क्या है? यूके ने साफ कर दी है यह बात स्तुतिक वैक्सीन के स्वास्थ्य पर असर और इसकी रिसर्च संबंधी जांच पर संशय के चलते यूनाइटेड स्टेट्स इस बात को साफ कर चुका है कि वह अपने देशवासियों को यह वैक्सीन नहीं लगाएगा। दुनियाभर और खासतौर पर अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे सवाल पर ब्राजील के राजनीतिक एनालिस्ट्स गिल्वर्ट डॉक्टर्स का कहना है कि रूसी वैक्सीन पर पश्चिमी देश इसलिए अधिक सवाल उठा रहे हैं क्योंकि उनके लिए रूस का पहले वैक्सीन बना लेना अंगूर खट्टे हैं जैसा अनुभव है। कैसे रूस ने छोड़ दिया सबको पीछे? -रूस द्वारा इतनी जल्दी वैक्सीन बना लेने पर भले ही दुनिया के कई देश खासतौर पर वेस्टर्न कंपनियां सवाल उठा रही हैं। लेकिन यह बात जाननी चाहिए कि आखिर रूस ने कैसे इतनी जल्दी कोरोना वैक्सीन को विकसित कर लिया और किस तरह खुद रूस के राष्ट्रपति को इस वैक्सीन पर इतना भरोसा है कि उन्होंने खुद अपनी बेटी पर इसका ट्रायल होने दिया। .. कोरोना वैक्सीन पर रूस को सफलता -दरअसल, स्तुतिक वैक्सीन बनाने के लिए रूस ने जिस तकनीक का उपयोग किया है, उस पर रूस को जीरो से काम नहीं करना पड़ा। क्योंकि इबोला वायरस के संक्रमण को खत्म करने के लिए उसकी वैक्सीन बनाने की प्रक्रिया रूस में कई साल पहले से चल रही थी। इसी तकनीक का उपयोग करते हुए रूसी वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के खिलाफ वैक्सीन विकसित करने का काम किया और दुनिया में सबसे पहले यह चमत्कार कर दिखाया।

Call For PCD Franchise: +91 98724-44554

Life vision healthcare

Complete Ortho., Cardio-Diabetic, Gynae, Paed., General, Gastro, Derma Range available

Create Your Own Destiny

A Professionally Managed Pharma Company offers Monopoly Rights to market its products on Franchisee/PCD basis on State/District level all over INDIA

Assured Quality Efficacy & Stability

WHO GMP/GLP/JAS-ANZ Certified Manufacturing

OVER 1000 molecules

100% Excise Free Manufacturing Till 2020

DCGI Approved Molecules

THIRD PARTY MANUFACTURING PROPOSALS INVITED
Trade Enquiries are welcome For monopoly rights in Unrepresented areas
Only financially sound parties/Pharma Professionals may contact

We offer:
Monopoly Rights, Visual Aids, Samples, Gift Articles

Wide Range Of:
Tablets, Capsules, Softgels, Injectables, Nutraceuticals, Syrup, Dry Syrup, Drops, Nasal Drops, Ointments, Hormones, All Derma Range

LIFEVISION HEALTHCARE
Plot No 11-12, Dainik Bhaskar Building, Sector 25 D, Chandigarh (160014)
E-mail: lifevisionmarketing3@gmail.com, bluewater.chd@gmail.com
Web: www.lifevisionhealthcare.co.in, www.bluewaterresearch.co.in

MH MEDISHRI HEALTHCARE
WANTED PHARMA FRANCHISEE CUM PCD
INNOVATIVE & LATEST PRODUCTS

BILASCAN-20 Bilastin 20mg Tablets	FLORAMET-R Flurbiprofen 10mg & Roflumilol 5mg Tablets	ALKAFIRST-88 Amlodipine 5mg & Lisinopril 10mg & Nifedipine 30mg Tablets	CEFSCAN-OZ LB Ceftriaxone 500mg & Levofloxacin 500mg Tablets
BILASCAN-M Bilastin 20mg & Montelukast 10mg Tablets	ARGISCAN-PLUS Arginine 2g & Flurbiprofen 5mg Tablets	MORTLIFE-3D Montelukast 10mg & Acetylsalicylic Acid 75mg & Dicyclanil 2mg Tablets	BEITEL-40/RH 80/AM Telmisartan range
VITSCAN-C Vitamin C range	O3MET NANO Vitamin B1, B2, B6, B12, Folic Acid	ENZVQUICK TAB. Amlodipine 5mg & Lisinopril 10mg & Nifedipine 30mg Tablets	MUCOSCAN-PLUS Acetylsalicylic Acid 75mg & Acetylsalicylic Acid 100mg Tablets
LETOBENZ-2.5 Levodopa 2.5mg Tablets	ETORMET-90/120/P/TH Etoricoxib range	SETSPAS FAST Baclofen 10mg & Dicyclanil 2mg & Dicyclanil 2mg Tablets	GLIMSCAN-2/M2/M3/M4/MV2 Glimpiride range
DROSBENZ Droperidol 1mg & Ephedrine 5mg Tablets	FLUNANIT Flunisolide 50mg & Nebicortol 50mg Tablets	MORTLIFE-M Montelukast 10mg & Montelukast Sodium 10mg Tablets	CEFSCAN-AZ LB Ceftriaxone 500mg & Levofloxacin 500mg Tablets
NOZFREE-0 Synthetic Insulin 100 IU/ml Insulin Drop	RITEMIST-LC+ Lisdexamfetamine 30mg & Dextroamphetamine 30mg Tablets	HELPAE-PG Acyclovir 200mg & Paracetamol 500mg Tablets	TRAMSCAN-100 PR Tramadol Hydrochloride 100mg Paracetamol Tablets

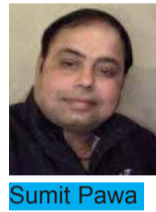
Also contact for Third Party Manufacturing | more than 400 products | All Promotional Material Available

For Business Enquiries
MEDISHRI HEALTHCARE PVT. LTD.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)
Regd. Office : 143, Ground Floor, Block G, Pocket-2, Sector-16, Rohini, New Delhi-110 085
E-mail : medishrihealthcare@gmail.com, visit www.medishri.com

Call or SMS : +91 70153 47369 +91 99966 92534

New drug RLF-100 shows dramatic recovery in Covid-19 patients suffering respiratory failure

Aviptadil is a formulation of Vasoactive Intestinal Polypeptide (VIP), which is present in high concentrations in the lungs and known to block various inflammatory cytokines. NeuroRx and Relief Therapeutics have partnered to develop the drug. PTI August 06, 2020, 15:30 IST HOUSTON: Doctors at a hospital here have used a new drug called RLF-100, also known as aviptadil, that has led to rapid recovery from respiratory failure in critically ill Covid-19 patients. The drug has been approved by the FDA for emergency use at multiple clinical sites in patients who are too ill to enter the FDA's Phase 2/3 trials. Houston Methodist Hospital was the first to report the rapid recovery of patients on ventilators and those with severe medical conditions after three days of treatment. Aviptadil is a formulation of Vasoactive Intestinal Polypeptide (VIP), which is present in high concentrations in the lungs and known to block various inflammatory cytokines. NeuroRx and Relief Therapeutics have partnered to develop the drug. According to a statement from the drug maker NeuroRX, independent researchers have reported that aviptadil blocked replication of the SARS coronavirus in human lung cells and monocytes. According to the report, a 54-year-old man who contracted Covid-19 while being treated for rejection of a double lung transplant came off a ventilator within four days. And, similar results were seen in more than 15 patients. The drug appeared to have rapidly cleared pneumonitis findings on an X-ray, improved blood oxygen and a 50 per cent or greater average decrease in laboratory markers associated with Covid-19 inflammation, the statement said. "No other antiviral agent has demonstrated rapid recovery from viral infection and demonstrated laboratory inhibition of viral replication," said Prof. Jonathan Javitt, CEO and Chairman of NeuroRx. "We are conducting placebo-controlled trials to see whether the observations made in the case-control and open-label studies will be confirmed for less ill patients with Covid-19-related respiratory failure. Our independent Data Monitoring Committee will be conducting an interim analysis of these data later this month," Javitt said. - Sumit Pawa (Kanpur) 7084000070.



Sumit Pawa

Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)

- Knee & Ankle Support
- Body Belts & Braces
- Fracture Aids
- Cervical Aids
- Fingers, Wrist & Arm Supports

A wide range of products available for Third Party & PCD marketing

Tablets & Capsules	Nutraceuticals & Protein Powders
Oral Liquids & Dry Syrup	Dietary Supplements
Injectables	Herbal Preparations
Eye Drops, Ear Drops & Nasal Drops	Wide range of Skin Care Cosmetics
Creams, Lotions, Gels & Ointments	Veterinary Drugs
Shampoo & Soaps	Vaccines & Pre Filled Syringes

Aerosols & Form Fill Seat (FFS)

Tablets, Capsules, Dry Syrup, Liquid Orals, Eye/Ear Drops, Soap, Shampoo/Lotion, Ointment, Sachets, Veterinary Medicines

Our Speciality Divisions

More than 1000 products
All new molecules available
Third party manufacturing also done

More than 1000 products
Third Party Manufacturing also done
All new Molecules available

Corporate Office: Plot No. 92, Ind. Area Phase-1, Panchkula Haryana 134113
Mfg. Unit Forgo Pharmaceuticals (GMP/GLP/WHO Certified Unit) (AN ISO 9001:2015 Certified Company)
27, DIC IND AREA, Barotiwala, Teh: Baddi, Distt. Solan (HP)
Email : helpdeskforgo@yahoo.com / forgo pharmaceutical@yahoo.co.in
Contact Detail : 0172-2569292 / 2568292 / 9814924737 / 7696099905 / 9877640753 / 9569569292

Professional People For Marketing And Franchisees May Contact For Profit Sharing Business

AYURVEDIC & NUTRACEUTICALS

Comprehensive Formulation Facility

- Third Party Manufacturing
- Export Inquiries for Regulated Markets
- PCD/Franchisee for unrepresented Area
- Monopoly Business Rights



Tablets, Capsules

Syrup & Sachet

Oil (Herbal & Cosmetic)

Powder Protein Powder
Whey & Herbal Protein

External Preparation

Cream, Lotion, Face Wash, Shampoo & Soap



Office: 206, Blue Star Plaza, Sarja Mkt,
Opp. M2K, Sector 7, Rohini, Delhi-110085
Works: Plot No.-6, Sector-56, Phase-4,
HSIIDC, Kundli-131028 (Haryana)
Ph.: 011 2704 0437, 9810165707
Email: bsnspl@gmail.com

AIOCD seeks PM's intervention to streamline Telemedicine Guidelines as per D&C Act & Pharmacy Act to curtail abuse of prescription drugs

The All India Organisation of Chemists & Druggists (AIOCD), a representative body of around 8.5 lakh chemists across the country, has sought intervention of Prime Minister Narendra Modi to streamline the Telemedicine Guidelines in accordance with provisions of Drugs and Cosmetics Act, 1940 and Rules thereunder and Pharmacy Act, 1948 to prevent misuse of prescription drugs posing a risk to public health. On March 25, 2020 Telemedicine Guidelines were notified by the Board of Governors in supersession of Medical Council of India by amending the Indian Medical Council (Professional Conduct, Etiquette and Ethics) Regulation, 2002. Welcoming the guidelines, AIOCD in a letter to the Prime Minister recently stated that telemedicine consultation has the apparent objective to ease access to healthcare for patients. However, in order to make telemedicine consultation effective and protect public health, it should be done in accordance with the provisions of Drugs and Cosmetics Act and Pharmacy Act and Rules made thereunder, said AIOCD president JS Shinde. Shinde said as per the Telemedicine Guidelines, doctors can in professional discretion prescribe medicines via tele-consultation by sending photo, scan and digital copy of a signed prescription or e-prescription to the patient via email or any messaging platform or by transmitting the prescription directly to a pharmacy. Prescribing drugs digitally is contradictory to D&C Act and Pharmacy Act. There are ill consequences of prescription drugs if consumed without medical advice and a significant rise in antibiotic resistance is reported due to drug abuse and self-medication. Rule 65 (11)(c) of the Drugs and Cosmetics Rules, 1945 provides that at the time of dispensing prescription medicines, the pharmacist should stamp the medicines as dispensed on prescription to stop people from getting the same prescription drugs from multiple pharmacies, he pointed out. The Telemedicine Guidelines allow doctors to issue prescription by sending photograph of scanned copy of the prescription to patients. The scanned copy of prescription or photograph of prescriptions is not valid under applicable laws since it cannot be stamped to prevent multiple dispensations. In absence of stamping on prescription, there will be multiple dispensing of prescription which can lead to increase in self-medication. This could subsequently result in antibiotic resistance, said AIOCD president. Outbreaks of a new antimicrobial resistance (AMR) bacteria/superbug will not only cause grave health loss and economic loss to the country but it can also bring disrepute to the country for not taking timely and remedial steps, he cautioned. Antidepressant drug addiction, dependence on sleeping pills, habit forming prescription medicines are well known phenomena in India. Multiple dispensing and over dosages of such medicines can cause impairment of mental faculties and can be fatal. To obviate this risk, Shinde appealed to the central government to establish a national portal on which the doctors can email prescription and the patients or the pharmacist can access the prescription by using a unique OTP. The pharmacist can, after dispensing the prescription, either deface it or specify the quantity of medicine dispensed on the national portal itself so that once the medicines are dispensed the prescription cannot be reused. Until this portal is set up, the doctors should not be allowed to issue scanned prescriptions in telemedicine consultation, he stated. Taking exception to classification of medicines in List O, List A and List B by Telemedicine Guidelines, Rajiv Singhal, general secretary, AIOCD said "D&C Act which medical practitioners and chemists are accustomed to have a different list namely Schedule H, Schedule H1 and Schedule X. The new classification is likely to cause confusion that can lead to wrongful prescribing or wrongful dispensation." Singhal suggested that the List O, List A and List B in the Telemedicine Guidelines should be done away with. AIOCD expressed concern over the location of doctors offering tele-consultation, saying that doctors should be allowed to do tele-consultation only in the same city or town where they are practicing as they have better understanding of recent outbreaks or common symptoms in the local population. The trade body further stated that in case a patient wants to consult a specialist doctor in another city or town, the same should be permitted through a three way consultation between patient, local medical practitioner and the specialist. AIOCD has taken exception to tele-medicine consultation offered by e-pharmacies directly or indirectly, saying that the tele-consultation provided by them amounts to solicitation of patients by doctors as internet pharmacies dole out incentives to the physicians to prescribe medicines. - **Dinesh Gupta, Mob.: 9839056164.**

Vacancy for Marketing Managers

We are Looking for
Marketing Managers
for
Franchise and Third Party
for all over INDIA on **Lucrative Terms.**

Blue Star Laboratories

206, Blue Star Plaza, Sarja Market
Opp. M2K, Sec.-7, Rohini, Delhi - 110085
Mob.: 9810165707, E-mail: bsnspl@gmail.com

कोविड-19 की वैक्सीन 1 जनवरी, 2021 से सिविलियन सकुलेशन में आएगी

रूस में बनकर तैयार हुई कोविड-19 की वैक्सीन का सिविलियन सकुलेशन में जाने की तारिक तय हो गयी है. सिविलियन सकुलेशन का मतलब होता है आम लोगों के लिए उपलब्ध होना. रूस द्वारा पंजीकृत इस वैक्सीन के प्रमाण पत्र के हवाले से मीडिया ने इस बात की सूचना दी. रूस में बनकर तैयार हुई कोविड-19 की वैक्सीन 1 जनवरी, 2021 से सिविलियन सकुलेशन में जाएगी यानि कि इसी दिन से इस वैक्सीन की पहुंच आम लोगों तक कराई जाएगी. समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराशको ने कहा कि यहां के माइक्रोबायोलॉजी रिसर्च सेंटर गेमालेया और रूसी रक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से विकसित कोविड-19 की वैक्सीन सबसे पहले चिकित्साकर्मियों और शिक्षकों को दी जाएगी. उन्होंने कहा, हम आम लोगों में चरणबद्ध तरीके से इसका उपयोग करना शुरू करेंगे. इसमें सबसे पहले उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी जो काम के सिलसिले में संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आते हैं और ये चिकित्सा कर्मी हैं और यह उन्हें भी पहले मुहैया कराई जाएगी जो बच्चों की सेहत के लिए जिम्मेदार हैं यानि कि शिक्षक. रूसी स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वैक्सीन के उत्पादन के लिए गेमालेया रिसर्च सेंटर इंस्टीट्यूट और फार्मास्युटिकल कंपनी बिन्नोफार्म जेएससी इन्हीं दो जगहों का उपयोग किया जाएगा. रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष के प्रमुख किरिल दिमित्री ने कहा कि देश को वैक्सीन की खुराक के लिए सौ करोड़ अनुरोध मिले हैं. उन्होंने कहा, हमने गेमालेया रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा बनाए गए रूसी वैक्सीन के प्रति दुनिया की गहरी रुचि देखी है. हमें बीस राज्यों से वैक्सीन की सौ करोड़ से अधिक खुराक की खरीद के लिए प्रारंभिक अनुरोध प्राप्त हुए हैं. उन्होंने कहा कि रूस पांच देशों में अपने विदेशी भागीदारों के साथ मिलकर वैक्सीन की 50 करोड़ से अधिक खुराक के उत्पादन को सुनिश्चित करने के लिए तैयार है. **अविनाश प्रभाकर**

Sad News

Shri J Satish Rao Anna General Secretary Telengana , President Sangareddy Dist a very loveable , knowledgable , good friend for all , hard worker , has left all of us for heavenly abode last night at 2 am .He found Covid-19 positive 20 days back with his wife and son they both are ok but Anna was at Hyderabad Hospital taking treatment . We all office bearers, E C Members and all members of AIOCD are shocked and pray God to give peace to his soul and courage to his family to bear this irreparable loss .This is loss to our organisation also. J S Shinde, Rajiv Singhal, K K Selvan, S Nangia - **6396782575**



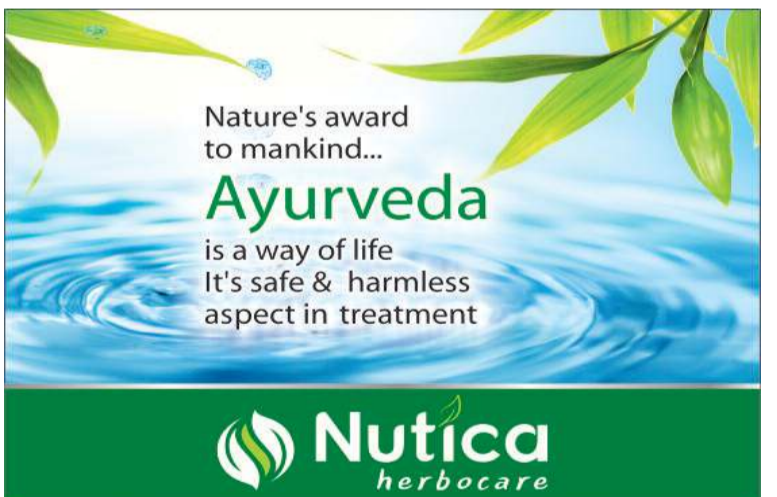
किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचाने के लिए करें एक्सरसाइज
नई दिल्ली: फेफड़े यानी कि लंग्स (Lungs) जो कि शरीर का एक बहुत अहम हिस्सा है. के अस्वस्थ रहने पर कई बीमारियां हो सकती है, जैसे- अस्थमा, ब्रॉकाइटिस, निमोनिया, टीबी, का कैंसर आदि. इसलिए की सेहत का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है. आपके फेफड़े की कार्यक्षमता निर्धारित है कि आपके शरीर की श्वसन प्रणाली कैसी होगी. वहीं कोरोनावायरस जो कि पर सबसे पहले हमला करता है, इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने को मजबूत बनाएं. ताकि आप जल्दी से किसी संक्रमण का शिकार न हो जाएं. अपने की क्षमता बढ़ाने और इन्हें मजबूत बनाने के लिए आप ब्रीदिंग एक्सरसाइज की मदद ले सकते हैं. ये 3 ब्रीदिंग एक्सरसाइज आपके फेफड़े की क्षमता में सुधार कर सकते हैं. **1. रिब स्ट्रेचिंग (Rib Stretching)** -आप फिर धीरे-धीरे सांस लेंगे, जितना संभव हो सके अपने को भरें. 20 सेकंड के लिए, या जब तक आप सक्षम हैं, तब तक अपनी सांस रोककर रखें. -जब आप गिनती कर रहे हों, तो अपने हाथों को अपने कूल्हों पर रखें, आपके अंगुठे आगे की ओर आपकी पिंकी उंगलियां आपकी पीठ के छोटे हिस्से को छूती हुई सी रखें. -एक बार जब आप अपनी सांस को 20 सेकंड तक रोक कर रखें, तो धीरे-धीरे सांस छोड़ें और आराम की स्थिति में लौट आएं. **2. उदर श्वास (Abdominal Breathing)** -इस अभ्यास के लिए, आप अपनी पीठ पर एक आरामदायक स्थिति में लेट जाएं. पीठ को गद्दी देने के लिए आप एक योगा मैट या सॉफ्ट पैड का उपयोग कर सकते हैं. -शुरू करने के लिए, अपने पेट पर एक हाथ और अपनी छाती पर एक हाथ आराम करें. धीरे-धीरे सांस लें जब तक कि आप महसूस न करें कि आपका पेट आपकी छाती से अधिक ऊंचा न हो जाए. -अपने मुंह से सांस छोड़ें, और फिर अपनी नाक के माध्यम से फिर से सांस लें, अपने पेट को हर बार उठाने की को. शिवा करतें रहें. -यदि संभव हो, तो अपनी सांस 7 सेकंड के लिए रोकें, और 8 सेकंड के लिए सांस छोड़ें. अब अपने पेट की मांसपेशियों को अपने से हवा को बाहर निकालने के लिए छोड़ दें. **3. पुशिंग आउट (Pushing Out)** -इस अभ्यास के लिए, आप अपने घुटनों के बल आराम से खड़े होंगे. धीरे-धीरे कमर पर झुकें, अपने से हवा को बाहर धकेलें. फिर, धीरे-धीरे सीधे सीधे खड़े रहें और तब तक श्वास लें जब तक कि आपके फेफड़े अधिकतम क्षमता से न भर जाएं. -20 सेकंड के लिए या जितनी देर तक आप कर सकते हैं, अपनी सांस रोककर रखें. अपनी सांस को रोकते हुए, धीरे से अपनी बाहों को अपने सिर के ऊपर उठाएं. -एक बार जब आप गिनती पूरी कर लेते हैं, तो धीरे-धीरे अपनी बाहों को नीचे लाएं और पूरे मुंह में सांस छोड़ें, आराम की स्थिति में वापस आ जाएं.

अब देश के हर नागरिक को मिलेगा यूनिक हेल्थ कार्ड

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से 74वें स्वतंत्रता दिवस (74th Independence Day) के मौके पर देशवासियों को नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन (National Digital Health Mission) की सौगात दी है. -**भारत के हेल्थ सेक्टर में नई क्रांति की शुरुआत** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने लाल किले की प्राचीर से 74वें स्वतंत्रता दिवस (74th Independence Day) के मौके पर देशवासियों को नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन (National Digital Health Mission) की सौगात दी है. इस मिशन के तहत इलाज में आने वाली परेशानियों को कम किया जाएगा. योजना के तहत हर भारतीय को एक हेल्थ आईडी दी जाएगी. इस योजना में हर भारतीय के स्वास्थ्य की जानकारी डिजिटल तरीके से सेव रहेगी. **हर भारतीय की होगी यूनिक हेल्थ आईडी** पीएम मोदी ने बताया कि इस योजना के तहत हर भारतवासी का अपना एक यूनिक आईडेंटिटी नंबर (Unique Identity Number) होगा. इसमें उनके स्वास्थ्य से जुड़ी हर जानकारी होगी. इस योजना से हर देशवासी को एक तरह की सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी. इस हेल्थ कार्ड में लोगों का पूरा मेडिकल रिकॉर्ड होगा, दवाओं से लेकर जांच रिपोर्ट तक सारी जानकारियां इस कार्ड में होंगी. इस मिशन में जांच सेंटर, क्लीनिक, अस्पताल और डॉक्टर सभी को एक प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा. इस योजना का लाभ उन लोगों को ज्यादा मिलेगा जो दूर दराज इलाकों में रहते हैं, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं बेहद कम हैं. पीएम मोदी ने कहा कि नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन, भारत के हेल्थ सेक्टर में नई क्रांति लेकर आया. **हेल्थ आईडी कैसे है यूनिक?** इस हेल्थ आईडी में कई खूबियां होंगी. इस हेल्थ कार्ड में व्यक्ति के जीवनभर का पूरा हेल्थ रिकॉर्ड होगा. वो कब किस बीमारी से पीड़ित था, कब किस बीमारी का इलाज किया गया. डॉक्टर ने कौन सी दवा लिखी, कौन कौन से टेस्ट हुए और उनके नतीजे क्या रहे. जिससे अगली बार जब मरीज किसी डॉक्टर के पास या अस्पताल में जाएगा तो उसे अपने सारे रिपोर्ट, डॉक्टर की पर्चियां लेकर नहीं जाना होगा, सिर्फ ये हेल्थ कार्ड ही ले जाना काफी होगा. डॉक्टर हेल्थ कार्ड के यूनिक नंबर से ही मरीज की पूरी हेल्थ हिस्ट्री देख सकेगा. यानि जितनी बार भी व्यक्ति डॉक्टर के पास जाएगा, और जो भी दवाएं लेगा या इलाज कराएगा, उसकी जानकारी हेल्थ कार्ड में दर्ज होती चली जाएगी.

फुटकर दवा व्यापारी कि समस्या का निदान

सभी फुटकर दवा व्यापारियों को ज्ञात है की लॉकडाउन से पूर्व आदरणीय श्री संजय मेहरोत्रा (चेयरमैन, FDVM) ने दवा व्यापारियों के लिये फूड लाइसेंस बनवाने का अभियान शुरू किया था. मुझे ये बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि इस कोरोनाकाल कि विपरीत परिस्थितियों के पश्चात् भी श्री संजय मेहरोत्रा ना सिर्फ मानव सेवा ही कर रहे हैं बल्कि उनको अपने दवा व्यापारियों के व्यवसाय कि भी चिंता है. जिस कारण फूड लाइसेंस बनवाने जैसा महत्वपूर्ण कार्य भी संस्था द्वारा किये गये वादे के अनुसार बनवाना शुरू कर दिया है. इसके प्रथम चरण में लालबंगला क्षेत्र के 41 दवा व्यापारियों का फूड लाइसेंस, श्री संजय मेहरोत्रा के अथक प्रयासों से बन कर आ गया है तथा उनके बीच वितरित किया जा रहा है. फुटकर दवा व्यापार मण्डल (पूर्वी क्षेत्र) के समस्त दवा व्यापारी एवं पदाधिकारी अपनी संस्था एवं उसके चेयरमैन का सहृदय आभार व्यक्त करते हैं जिनके कारण आज ये सम्भव हो सका. **उमेश श्रीवास्तव (उज्जैन) - 9058129523**



Nutica herbocare

humble contribution towards alleviating human miseries & service to mankind by presenting pure ayurvedic range from GMP certified manufacturing unit for complete herbal range for

HAIR GROWTH	BLOOD PURIFIER	LIVER DISEASES
DENTAL RANGE	ORTHO ARTHRITIS	COUGH SYRUP
UTERINE TONIC	MEMORY BOOSTER	ALKALISER
STONE	OBESITY	
DIGESTIVE ENZYME	ANTACID	

DOSAGE FORM : TABLETS, CAPSULES, POWDER, SYRUPS, OILS

We provide

- Product Card
- Visual Aid
- Physician's Sample
- Gift Articals
- Monopoly right Area wise

Trade enquiries welcome for monopoly basis franchise / PCD base distribution contact



Ground Floor, 286 Industrial Area
Phase - 1 Panchkula (Haryana) Pincode - 134109
Tel. : 0172-502596, 5025097, 9216295095
Email : infonutiacare@gmail.com
Website : www.nuticaherbocare.com



A Name Synonym With
Topmost Quality & Time Bound Deliveries

WHO-GMP & ISO 9001 CERTIFIED COMPANY

THIRD PARTY MANUFACTURING FACILITIES AVAILABLE WITH SPARE CAPACITY

TABLETS	BETALACTAM & NON-BETALACTAM
CAPSULES	DRY SYRUP
ORAL LIQUIDS	OINTMENTS & LOTION

INVITES FRANCHISEE / DISTRIBUTORS / SALES PROMOTERS FOR UNREPRESENTED AREA

More than 100 Brands Visual-Aids
Attractive Packing in Blister / ALU - ALU / Strip
Full promotional Support Catch-Cover

FERROGOLD Ferrous Bis-Glycinate, Zinc Bis-Glycinate, Folic Acid and B12 Tab.	PEPZIT Pepsin & Fungal Diastase	APSTEL Telmisartan	ONCY-OZ Oxycodone & Ondansetron
Kofrol Plus Expectorant	RABIK DSR Rabeprazole + Domperidone	LINPID Linsidolol, Difenacac, Diethylamine, Methyl Salicylate, Menthol & Benzyl Alcohol	APPROVAS Atorvastatin
PSYCOPIR Piracetam	OTRONOX Ondansetron	LV-FLEX Levofloxacin	



WHO-GMP
CERTIFIED



COPP
for
DOMESTIC
&
EXPORTS

PLEASE CONTACT :

APS BIOTECH PVT LTD

Plot No. 21, Raipur, Bhagwanpur, Roorkee- 247661 (Uttarakhand)
Mob. :- 06395947077, 09719311088, 09719411089
E-mail : apsbio@rediffmail.com, apsbio@yahoocorp.com
Website : www.apsbio.in

रूस ने तैयार की कोरोना वैक्सीन

रूस को मिली कामयाबी, ऐसा क्या है कि उसने दुनिया को पीछे छोड़ते हुए कम समय में कोरोना संक्रमण की वैक्सीन विकसित कर ली है? आखिर रूसी राष्ट्रपति पुतिन को इस पर इतना भरोसा क्यों है कि उन्होंने खुद अपनी बेटी पर इसका ट्रायल करा दिया? यहां जानें सेहत और तकनीक की बात. मंगलवार (11 अगस्त) को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात की घोषणा कर दी कि उनके देश ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए दुनिया की पहली वैक्सीन बना ली है. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस वैक्सीन को रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी अप्रूव कर दिया है और खुद पुतिन ने अपनी बेटी को इस कोरोना वैक्सीन का टीका लगावाया है. लेकिन बिना डेटा सार्वजनिक किए तैयार की गई इस वैक्सीन के प्रति इतनेभर से विश्वास नहीं जीता जा सकता. यही वजह है कि यूके खुलकर कह रहा है कि वह अपने देश के लोगों को इस वैक्सीन का टीका नहीं लगाएगा तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहले इस वैक्सीन पर चिंता जताई और बाद में इस वैक्सीन के प्रभावशाली होने के सबूत मांगे. WHO के अनुसार- भारत सरकार और भारतीय नागरिकों को पूरा भरोसा है की रूसी कोरोना वैक्सीन कोरोना वाइरस का खाला करने मे अपना सबसे बड़ा रोल करेगी. -विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रूस ने इस वैक्सीन से जुड़ी सभी रिसर्च और स्टडीज को

सार्वजनिक करने के लिए कहा है. इसके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वैक्सीन को रजिस्टर करने से पहले इसका क्लिनिकल ट्रायल पूरा करने के लिए भी कहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रूस द्वारा तैयार की गई स्तुतनिक-V वैक्सीन के प्रभाव को लेकर चिंता जाहिर की थी. रूस की कोरोना वैक्सीन- दरअसल, स्तुतनिक-V वैक्सीन बनाने के लिए रूस ने जिस तकनीक का उपयोग किया है, उस पर रूस को जीरो से काम नहीं करना पड़ा. क्योंकि इबोला वायरस के संक्रमण को खत करने के लिए उसकी वैक्सीन बनाने की प्रक्रिया रूस में कई साल पहले से चल रही थी. इसी तकनीक का उपयोग करते हुए रूसी वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के खिलाफ वैक्सीन विकसित करने का काम किया और दुनिया में सबसे पहले यह चमत्कार कर दिखाया.

याददाशत को दुरुस्त रखने के लिए अपनी डाइट में करें इन चीजों को शामिल

नई दिल्ली: जिंदगी में मसरूफियत इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि हमारा दिमाग कई कामों में एक साथ बट गया है. वर्क लोड ने हमारी याददाशत को कमजोर बना दिया है जिसका नतीजा है कि हम कई जरूरी काम करना भूल जाते हैं. आपको पता है कि आपके खान-पान का असर ना सिर्फ आपकी सेहत पर पड़ता है बल्कि आपकी याददाशत पर भी पड़ता है. आप भी अगर चीजों को खर भूल जाते हैं, जरूरी काम करना भूल जाते हैं तो समझ जाइए कि आपकी याददाशत प्रभावित हो रही है. अपनी याददाशत को मजबूत बनाने के लिए आप अपनी डाइट पर ध्यान दें. हमारे दिमाग को कुछ जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते जिसकी वजह से हमारी याददाशत कमजोर होने लती है. हमारी डाइट इतनी खराब हो गई कि हमें जरूरी फाइबर और खनिज तत्व नहीं मिल पाते. आप अपनी याददाशत दुरुस्त करना चाहते हैं तो अपनी डाइट में इन चीजों को शामिल करें. बादाम का

www.medicaldarpan.com

Touch Lives...
Ensuring Healthy Smiles....



Medons India

An ISO 9001: 2015 Certified Company







MEDONS INDIA
Offers a wide range of quality based pharma Products for various segments like Analgesics, Pediatric Antibiotics, Anti Malarials, Gynec and so on...

Tablets	Capsules	Liquids	Dry Syrup	Injectables
Drops	Lotions	Gels	Ointments	Shampoos
Protein Powders		Dietary Supplements		Neutraceuticals

We provide all kinds of **PROMOTIONAL INPUT** i.e.

VISUAL AID FOLDER	LEAVE BEHIND CARD	VISITING CARDS
DETAILING STORY	SAMPLE CATCH COVER	REMINDER CARDS
PRODUCT SCIENTIFIC DETAIL	ORDER BOOK	GIFTS ARTICLES

Trade enquiries welcome from pharma selling experience may contact for monopoly basis Franchise/Business associates for unrepresented areas

Plot No. 286 Basement, Industrial Area, Phase -1
Panchkula (Haryana) Pincode - 134113
Ph. :- 0172-5025098, 92162-95095
E-mail : info@medonsindia@gmail.com
Website: www.medonsindia.com



नई दिल्ली: अभिभावक अभी स्कूल खोले जाने को लेकर आशंकित हैं.

अभिभावकों ने अपनी इस आशंका से विभिन्न राज्य सरकारों और सरकार को अवगत कराया है. अधिकांश अभिभावक नहीं चाहते कि फिलहाल स्कूल खोले जाएं, वहीं सरकार ने भी अभिभावकों को छात्रों की सुरक्षा का भरोसा दिलाया है. कोरोना संकट के बीच स्कूलों के विषय पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक (Ramesh Pokhriyal Nishank) ने कहा, अनलॉक-3 की गाइडलाइंस के तहत गृह मंत्रालय ने स्कूल, कॉलेज और सभी कोचिंग संस्थान 31 अगस्त तक बंद रखने का निर्देश दिया है. आगे गृह मंत्रालय की जो भी गाइडलाइंस आएगी उसके अनुसार हम निर्णय लेंगे. वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस के कारण अब स्कूलों को खोलने में और अधिक विलंब हो सकता है. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय पहले ही फिलहाल स्कूल न खोलने का निर्णय ले चुका है. स्कूल खोलने की प्रक्रिया पर विभिन्न केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा अभिभावकों की राय भी ली जा रही है. अभिभावक चाहते हैं कि इस वर्ष स्कूलों में पूरे शैक्षणिक सत्र को ही जीरो सत्र माना जाए. इस मांग को लेकर कई अभिभावकों ने सहमति जताई है. ऑल इंडिया पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा, हमने शिक्षा मंत्रालय एवं प्रधानमंत्री के समक्ष मुख्य रूप से तीन विषय रखे हैं. इनमें सबसे महत्वपूर्ण विषय यह है कि जब तक कोरोना पर पूरी तरह से काबू नहीं पा लिया जाता तब तक स्कूल नहीं खुलने चाहिए. अशोक अग्रवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के अलावा देशभर के सभी मुख्यमंत्रियों को हमने ऐसे ही पत्र लिखे हैं. अभिभावकों के इस संघ ने सरकारों से मांग की है कि इस शैक्षणिक सत्र को जीरो एकेडमिक ईयर घोषित घोषित किया जाए. सभी छात्रों को अगली कक्षा में प्रमोट किया जाए. अगले वर्ष का पाठ्यक्रम इस तरह से मॉडिफाई किया जाए कि छात्र उसे समझ सकें और अपनी पढ़ाई कर सकें. इस पूरी स्थिति पर शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि पहले छात्रों की सुरक्षा है फिर शिक्षा. यानी छात्रों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा. कोई भी कदम उठाने से पहले पहले छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी. सुरक्षित माहौल में ही छात्र कक्षा या फिर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं.

शिक्षा मंत्री बोले- अभी स्कूल बंद रहेंगे

अभिभावकों ने अपनी इस आशंका से विभिन्न राज्य सरकारों और सरकार को अवगत कराया है. अधिकांश अभिभावक नहीं चाहते कि फिलहाल स्कूल खोले जाएं, वहीं सरकार ने भी अभिभावकों को छात्रों की सुरक्षा का भरोसा दिलाया है. कोरोना संकट के बीच स्कूलों के विषय पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक (Ramesh Pokhriyal Nishank) ने कहा, अनलॉक-3 की गाइडलाइंस के तहत गृह मंत्रालय ने स्कूल, कॉलेज और सभी कोचिंग संस्थान 31 अगस्त तक बंद रखने का निर्देश दिया है. आगे गृह मंत्रालय की जो भी गाइडलाइंस आएगी उसके अनुसार हम निर्णय लेंगे. वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस के कारण अब स्कूलों को खोलने में और अधिक विलंब हो सकता है. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय पहले ही फिलहाल स्कूल न खोलने का निर्णय ले चुका है. स्कूल खोलने की प्रक्रिया पर विभिन्न केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा अभिभावकों की राय भी ली जा रही है. अभिभावक चाहते हैं कि इस वर्ष स्कूलों में पूरे शैक्षणिक सत्र को ही जीरो सत्र माना जाए. इस मांग को लेकर कई अभिभावकों ने सहमति जताई है. ऑल इंडिया पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा, हमने शिक्षा मंत्रालय एवं प्रधानमंत्री के समक्ष मुख्य रूप से तीन विषय रखे हैं. इनमें सबसे महत्वपूर्ण विषय यह है कि जब तक कोरोना पर पूरी तरह से काबू नहीं पा लिया जाता तब तक स्कूल नहीं खुलने चाहिए. अशोक अग्रवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के अलावा देशभर के सभी मुख्यमंत्रियों को हमने ऐसे ही पत्र लिखे हैं. अभिभावकों के इस संघ ने सरकारों से मांग की है कि इस शैक्षणिक सत्र को जीरो एकेडमिक ईयर घोषित घोषित किया जाए. सभी छात्रों को अगली कक्षा में प्रमोट किया जाए. अगले वर्ष का पाठ्यक्रम इस तरह से मॉडिफाई किया जाए कि छात्र उसे समझ सकें और अपनी पढ़ाई कर सकें. इस पूरी स्थिति पर शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि पहले छात्रों की सुरक्षा है फिर शिक्षा. यानी छात्रों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा. कोई भी कदम उठाने से पहले पहले छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी. सुरक्षित माहौल में ही छात्र कक्षा या फिर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं.

ऑनलाइन फार्मसी और दवा व्यापारी

अमेज़न और रिलायंस के ऑनलाइन ट्रेड में आने के साथ ही चर्चाए बाजार में आम है. लोकडाउन के दौरान ऑनलाइन के व्यापार में वृद्धि और शीघ्र में उछाल से स्पष्ट है कि भविष्य किस ओर इशारा कर रहा है. क्या हम रिटेल सेक्टर को बचा पाएंगे? देखा जाय तो हमारे देश का बहुत कम प्रतिशत ही अभी मोबाइल एप्लीकेशन का अभ्यस्त है ऐसी दशा में आम रिटेलर और व्यापारी चिंतित नहीं है. फिर क्या कारण है कि ऑनलाइन का व्यापार बहुत तेजी से बढ़ रहा है. हमारे देश में मात्र 5 प्रतिशत लोगों के पास देश की लगभग 80 से 90 प्रतिशत सम्पति और व्यवस्था पर पूरा कब्जा है. इन 5 प्रतिशत की यह 90 प्रतिशत अथाह दौलत सब पर भारी है. अभी बाजार में आम व्यक्ति तो नजर आता है किंतु वह 5 प्रतिशत विशिष्ट वर्ग धीरे धीरे धीरे धरलू बाजार से दूर होकर ऑनलाइन पर जा रहा है. अशोक खंडेलवाल - 9425092492

We can't spell
Success without 'u'

New Arrivals from PLUSINDIA Group of Companies

BACIPRO Susp Each 5ml oral contains : Bacillus Clausii Spores (UBCC-07) 2 billion spores.	GLIP-20 Tab Tenueligliptin Hydrobromide Hydrate 20 mg Tab	DICTOL Tab Tolperisone Hcl. 150 mg with Diclofenac Sodium 50 mg Tab	DROXIN Symp/Drops Hydroxyzine Hydrochloride 10mg in Symp Hydroxyzine Hydrochloride 6mg in Drops
FLUMOL Tab Flupirtine Maleate 100 mg, Paracetamol 325 mg	AZIFIX-700 Tab Cefixime Trihydrate 200 mg, Azithromycin 500 mg	FLUNA-5 / 10 Tab Flunazone Dihydrochloride 5 mg / 10 mg	DIAGLIP-500 SR Tab Tenueligliptin 20 mg with Metformin Hcl 500 mg SR
MOL-D Paracetamol 325 mg with Domperidone 20 mg	RIF 200/400 Rifaximin 200 mg / 400 mg	FEROXX-300 SR Feropemem 300 mg SR Tablets	CISCAL Cissus Quadrangularis 500 mg, Calcium Citrate 250mg & Vitamin D3 - 25 I.U
KOFRIL Tab Dextromethorphan Hydrobromide 10 mg, Bromhexine HCL 8 mg, CPM 2 mg, with Guaiphenesin 100 mg.	AIROX-FM Acebrophylline 200 mg SR, Fexofenadine Hydrochloride 120 mg with Montelukast Sodium 10 mg	CARTIMAX Tab Glucosamine Sulphate 750 mg, Methyl Sulphonyl Methane 200 mg, Boswellia Serrata 100 mg, Chondroitin Sulphate 100 mg, Collagen Peptide Type-II 50 mg, Hyaluronic Acid 5 mg	
BIONORM 12.5/25/50/75/100/125 MCG Tab Thyroxin Sodium 12.5/25/50/75/100/125mcg tab			
TERB-LL cream Luliconazole 1%w/w with Terbinafine Hcl. 1% w/w	LL-ZOL Cream Luliconazole Cream1.0%w/w	LL-ZOL Luliconazole Dusting Powder 1%	NERVIT 1500 / 2500 inj Methylcobalamin 1500 mcg / 2500 mcg
IGEL Oint Hydroxy Propyl Methyl Cellulose 2% w/w, Sodium Chloride 0.490%w/w, Potassium Chloride0.075%w/w, Calcium Chloride 0.048%w/w, Magnesium Chloride 0.030%w/w, Sodium Acetate 0.390%w/w, Sodium Citrate 0.170%w/w.		NERVIT-C inj Each 1.5ml contains: Vitamin C 150 mg, water for injection, Each ml contains Methylcobalamin 2500 mcg, Folic acid 0.7mg, Nicotinamide 12 mg, Water for injection.	

IMUDAY 5 Tab
Fruits Extracts, Vitamins, Minerals, Amino Acids with Green Tea Extract,
Borage, Flaxseed Extract, Lrtein and Lycopene Tab.

• Over 300 Products • 100% Product Availability

WIDE RANGE OF PRODUCTS :

- | | | |
|-----------------------|-----------------------|-----------------|
| ■ Antibiotics | ■ Inhalers/Alveocaps. | ■ Anti diabetic |
| ■ Oral/Inj | ■ Liquids | ■ Mouth Wash |
| ■ Eye/Ear/Nasal Drops | ■ Protein/Sachets | ■ Soaps |
| ■ Tooth Paste | ■ Soft gels | ■ IV Fluids |



Beulah
Biomedics
A Dedicated Care for Healthy World



LIFE CARE
HERITAGE FORMULATIONS (P) LTD.
(A DIVISION OF BEULAH BIOMEDICS)



GEN MEDICA
An ISO 9001:2008 Certified Company
Supporting Health & Life ...



Plus India
Defining Synthetic relationship

Web site : www.plusindia.in E-mail : plusindia2003@yahoo.co.in
Phone no. : 040 27116203, Fax. 040 27111419, 9885500050, 9177121282.

आप अपनी याददाशत दुरुस्त करना चाहते हैं तो अपनी डाइट में इन चीजों को शामिल करें. बादाम का इस्तेमाल: याददाशत को दुरुस्त करने के लिए रात को रोज 9 बादाम भिगो दें और सुबह उन्हें छील कर उनका पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को गर्म दूध में मिलाएं साथ में एक चमचा शहद भी मिलाएं. बादाम और शहद के दूध को पीने से आपकी याददाशत तेज रहेगी. कॉफी पीएं: कॉफी में मौजूद कैफीन दिमाग के उस हिस्से को क्रियशील बनाता है जहां से इंसान की सक्रियता, मूड और ध्यान नियंत्रित होता है. आप सुबह नाश्ते में कॉफी पीएंगे तो आप फुर्तीला महसूस करेंगे.

Kurma Miracle Drugs (P) Ltd.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)
SCF 504, Top Floor, Motor Market, Sector 13
(Mani Majra), Chandigarh (UT)-160101

With wide Range of

TABLETS	LIQUIDS
CAPSULES	INJECTABLES
DRY SYRUPS	SOFT GEL
OINTMENTS	
FOOD SUPPLEMENTS	

No Compromise With The Quality & Many More.....

For further information please contact us on:

+91 86 99999 094, 88 37574 377
info@kurmamiracle.com
/kurmamiracle drugs / /kurmamiracle drugs /

WHY WE ?

- Attractive Packing
- Timely Delivery
- Latest Molecules
- Best Reasonable Rates
- Free Promotional Items

PCD PHARMA
FRANCHISE AVAILABLE
PAN INDIA

Third Party Manufacturing
Also Available
WHO-GMP Certified
Manufacturing



Tulsi PearlTM

Drops

इम्युनिटी भरपूर



- ✓ आयुर्वेद का विश्वास
- ✓ तुलसी के दुर्लभ गुण
- ✓ आर्लेक की गुणवत्ता

शरीर से रोग होगा कोसों दूर

- राम तुलसी** यह फेफड़ों रोग, कफ, अस्थमा, ल्यूकोडर्मा व ब्लड शुगर की समस्याओं में ज्यादा गुणकारी है यह एंटी-बैक्टीरियल है
- कृष्ण तुलसी** खून साफ़, रक्त प्रवाह ठीक करता है हार्ट एंव हाई ब्लड प्रेशर की समस्या में भी काफी गुणकारी है
- शुक्ल तुलसी** सर्दी-जुकाम में राहत प्रदान करती है और शुक्ला तुलसी मुहांसों को कम करने में भी सहायता करती है
- विष्णु तुलसी** रोग प्रतियोगिता क्षमता बढ़ाए व आलस्य दूर कर शरीर में स्फूर्ति बढ़ाता है
- वन तुलसी** सांस की दुर्गंध व प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है चेहरे की चमक बढ़ाता है व शारीरिक कमजोरी दूर करता है



SWASTHTM

RUB 80

HAND SANITIZER

Drops of TRUST



WHO RECOMMENDED
80% Alcohol Content



On Purchase of Tulsi Pearl Drops (M.R.P. : 149.00)
Get Swasthrub 100 ml Sanitiser (M.R.P. : 50.00)

Free of Cost

SPECIAL OFFER

Hurry up!

Grab the opportunity.....



Contact : 7696263636 | 7717377163
www.arlakbiotech.com | Healthbuffet.com

प्रवेश प्रारम्भ

V.S. COLLEGE OF PHARMACY
Affiliated to B.T.E. and approved by A.I.C.T.E. & P.C.I.



ADMISSION OPEN

D. Pharma
Session: 2020-2021
Contact
9412227436, 7017305924

V.S. College of Pharmacy, Bulandshahr 203001
Mail us: vspharmacycollege@gmail.com

Lupin and Mylan Launch Nepexto, Biosimilar Etanercept in Germany

Mumbai, India- BAD HOMBURG, Germany, August 26, 2020: Lupin Limited (Lupin) and Mylan N.V. (NASDAQ: MYL) announced today the launch of Nepexto, biosimilar etanercept, in the German market. Nepexto is indicated for the treatment of moderate to severe active rheumatoid arthritis, juvenile idiopathic arthritis from the age of 2 years, active and progressive psoriatic arthritis, severe axial spondyloarthritis, moderate to severe plaque psoriasis and chronic severe plaque psoriasis in children and adolescents from the age of 6 years. Nepexto is approved for all therapeutic indications of the reference product Enbrel. Etanercept as an established therapy option The Tumor Necrosis Factor (TNF) inhibitor etanercept was first approved for the treatment of rheumatoid arthritis in Germany in 2000 and since then has offered an effective treatment option for several chronic inflammatory diseases. "TNF inhibitors such as etanercept make it possible to intervene precisely in the inflammatory process," commented Prof. Dr. med. Rieke Alten, chief physician in the Department of Internal Medicine (Rheumatology, Clinical Immunology, Osteology) at the Schlosspark-Klinik Charlottenburg, Berlin. "In patients with moderately severe to severe rheumatoid arthritis who do not respond adequately to basic therapeutics, remission of the disease through therapy with etanercept in combination with methotrexate is a quite realistic therapeutic goal. Rheumatologists have many years of clinical experience with this substance in terms of its efficacy and safety profile. Rheumatologists particularly like to opt for etanercept when 'safety first' is the top priority. Besides rheumatoid arthritis, this TNF inhibitor is also firmly established in other rheumatological indications." Simple application by means of pre-filled pen Nepexto is available as a solution for injection in a pre-filled pen and pre-filled syringe. Data show a high patient acceptance of the easy-to-handle pre-filled pen. Patients favored this latex-free device for self-injection, which can lead to improvement in compliance. Cost-effective treatment with Nepexto, with an equivalent efficacy and safety to reference product Enbrel, is an attractive cost-effective treatment alternative that can contribute to sustainable healthcare and treatment options. The European Commission approved the marketing authorization of Nepexto. The biosimilar received a favorable opinion from the Committee for Medicinal Products for Human Use (CHMP). The CHMP concluded that the development program including analytical, functional, clinical and immunogenicity data, demonstrated biosimilarity with its reference product, Enbrel. Thierry Volle, President, EMEA, Lupin said, "We are excited to bring Nepexto in Germany. Nepexto is our first biosimilar to receive regulatory approval in Europe. This launch is a remarkable milestone for our biosimilar group and we are glad that we are able to bring an affordable biosimilar to the European market through our partner Mylan. Biosimilars like Nepexto will play a vital role in expanding access to effective treatment for multiple therapies including rheumatoid arthritis." Dr. Maximilian von Wülfing, Managing Director of Mylan Germany said, "Germany is the first country in Europe to introduce Nepexto, the etanercept from Mylan. The approval of Nepexto (etanercept) by the European Medicines Agency (EMA) once again underlines the scientific success of Mylan's biologics program. To date Mylan has launched and commercialized four biosimilar products in Germany, two in immunology and two in oncology. Mylan offers a comprehensive and diverse biologics pipeline, and we want to make as many of these complex drugs as possible available to patients in Germany." Nepexto is the second immunology product to be introduced into the German market. In addition to Hulo, an adalimumab biosimilar, Nepexto expands Mylan's therapeutic portfolio for the effective treatment of various immune-mediated diseases including rheumatoid arthritis. **About Lupin-** Lupin is an innovation-led transnational pharmaceutical company headquartered in Mumbai, India. The Company develops and commercializes a wide range of branded and generic formulations, biotechnology products and APIs in over 100 markets in the U.S., India, South Africa and across Asia Pacific (APAC), Latin America (LATAM), Europe and Middle-East regions. The Company enjoys leadership position in the cardiovascular, anti-diabetic, and respiratory segments and has significant presence in the anti-infective, gastro-intestinal (GI), central nervous system (CNS) and women's health areas. Lupin is the third largest pharmaceutical company in the U.S. by prescriptions and in India by global revenues. The Company invests 9.6 % of its revenues on research and development. Lupin has fifteen manufacturing sites, seven research centres, more than 20,000 professionals working globally, and has been consistently recognized as a 'Great Place to Work' in the Biotechnology & Pharmaceuticals sector.

in other rheumatological indications." Simple application by means of pre-filled pen Nepexto is available as a solution for injection in a pre-filled pen and pre-filled syringe. Data show a high patient acceptance of the easy-to-handle pre-filled pen. Patients favored this latex-free device for self-injection, which can lead to improvement in compliance. Cost-effective treatment with Nepexto, with an equivalent efficacy and safety to reference product Enbrel, is an attractive cost-effective treatment alternative that can contribute to sustainable healthcare and treatment options. The European Commission approved the marketing authorization of Nepexto. The biosimilar received a favorable opinion from the Committee for Medicinal Products for Human Use (CHMP). The CHMP concluded that the development program including analytical, functional, clinical and immunogenicity data, demonstrated biosimilarity with its reference product, Enbrel. Thierry Volle, President, EMEA, Lupin said, "We are excited to bring Nepexto in Germany. Nepexto is our first biosimilar to receive regulatory approval in Europe. This launch is a remarkable milestone for our biosimilar group and we are glad that we are able to bring an affordable biosimilar to the European market through our partner Mylan. Biosimilars like Nepexto will play a vital role in expanding access to effective treatment for multiple therapies including rheumatoid arthritis." Dr. Maximilian von Wülfing, Managing Director of Mylan Germany said, "Germany is the first country in Europe to introduce Nepexto, the etanercept from Mylan. The approval of Nepexto (etanercept) by the European Medicines Agency (EMA) once again underlines the scientific success of Mylan's biologics program. To date Mylan has launched and commercialized four biosimilar products in Germany, two in immunology and two in oncology. Mylan offers a comprehensive and diverse biologics pipeline, and we want to make as many of these complex drugs as possible available to patients in Germany." Nepexto is the second immunology product to be introduced into the German market. In addition to Hulo, an adalimumab biosimilar, Nepexto expands Mylan's therapeutic portfolio for the effective treatment of various immune-mediated diseases including rheumatoid arthritis. **About Lupin-** Lupin is an innovation-led transnational pharmaceutical company headquartered in Mumbai, India. The Company develops and commercializes a wide range of branded and generic formulations, biotechnology products and APIs in over 100 markets in the U.S., India, South Africa and across Asia Pacific (APAC), Latin America (LATAM), Europe and Middle-East regions. The Company enjoys leadership position in the cardiovascular, anti-diabetic, and respiratory segments and has significant presence in the anti-infective, gastro-intestinal (GI), central nervous system (CNS) and women's health areas. Lupin is the third largest pharmaceutical company in the U.S. by prescriptions and in India by global revenues. The Company invests 9.6 % of its revenues on research and development. Lupin has fifteen manufacturing sites, seven research centres, more than 20,000 professionals working globally, and has been consistently recognized as a 'Great Place to Work' in the Biotechnology & Pharmaceuticals sector.

New drug RLF100 shows dramatic recovery in Covid-19 patients suffering respiratory failure

Aviptadil is a formulation of Vasoactive Intestinal Polypeptide (VIP), which is present in high concentrations in the lungs and known to block various inflammatory cytokines. NeuroRx and Relief Therapeutics have partnered to develop the drug. HOUSTON: Doctors at a hospital here have used a new drug called RLF-100, also known as aviptadil, that has led to rapid recovery from respiratory failure in critically ill Covid-19 patients. The drug has been approved by the FDA for emergency use at multiple clinical sites in patients who are too ill to enter the FDA's Phase 2/3 trials. Houston Methodist Hospital was the first to report the rapid recovery of patients on ventilators and those with severe medical conditions after three days of treatment.

nurturing the human animal bond.

BUSINESS OPPORTUNITY WITH MONOPOLY RIGHTS FOR FRANCHISEE IN UNREPRESENTED AREAS

Johnvet Pharma
Plot No. 30, Pabhat, Zirakpur S.A.S. Nagar (Mohali) Punjab

M.: +91 98141 84115
E.: johnvetpharma@gmail.com
W.: www.johnvet.in

trade Queries for third party manufacturing also available

MEDICAL DARPAN MEDIA HOUSE
All India Circulation

Monthly Edition Yearly Edition

मैडीकल दर्पण

PHARMA NEWS

PHARMA दर्पण

समस्त भारत में संवाददाता बनने के लिये सम्पर्क करें

medicaldarpan.com • medicaldarpan.in

A.K. Jain
Marketing Head, Chief Reporter
9479694811, 9410434811
ujjwal2904@gmail.com, medicaldarpan123@gmail.com

led to rapid recovery from respiratory failure in critically ill Covid-19 patients. The drug has been approved by the FDA for emergency use at multiple clinical sites in patients who are too ill to enter the FDA's Phase 2/3 trials. Houston Methodist Hospital was the first to report the rapid recovery of patients on ventilators and those with severe medical conditions after three days of treatment. Aviptadil is a formulation of Vasoactive Intestinal Polypeptide (VIP), which is present in high concentrations in the lungs and known to block various inflammatory cytokines. NeuroRx and Relief Therapeutics have partnered to develop the drug. According to a statement from the drug maker NeuroRX, independent researchers have reported that aviptadil blocked replication of the SARS coronavirus in human lung cells and monocytes. According to the report, a 54-year-old man who contracted Covid-19 while being treated for rejection of a double lung transplant came off a ventilator within four days. And, similar results were seen in more than 15 patients. Improved blood oxygen and a 50 per cent or greater average decrease in laboratory markers associated with Covid-19 inflammation, the statement said. "No other antiviral agent has demonstrated rapid recovery from viral infection and demonstrated laboratory inhibition of viral replication," said Prof. Jonathan Javitt, CEO and Chairman of NeuroRX. "We are conducting placebo-controlled trials to see whether the observations made in the case-control and open-label studies will be confirmed for less ill patients with Covid-19-related respiratory failure. Our independent Data Monitoring Committee will be conducting an interim analysis of these data later this month," Javitt said. - **Sumit Pawa Kanpur 70840 0070.**

Best BIOTECH
BEST BIOTECH

A Complete range of weapons to combat COVID-19

SANTIZERS 100/200/500ml. & 5 Ltrs.

N-95 MASKS

3 PLY MASKS WITH NOSE PIN

PPE KITS

DISPOSABLE GOWNS

DISPOSABLE BED SHEETS

IR THERMOMETERS

PORTABLE NANO MIST

NITRILE GLOVES

PORTABLE NANO MIST

TOUCH FREE SANITIZER DISPENSORS

FOR TRADE ENQUIRIES INFORMATION PLEASE CONTACT
BEST BIOTECH
76-13-188/6A, Beside Lane of Samskruti Function Hall, Urmila Nagar Road, Bhavanipuram-520012
(An ISO 9001:2015 Certified Co.)
A.O.: Santil Nagar Colony, Anna Nagar, Chennai-40
e-mail: bestbiotech@bestbiotech.com Website: bestbiotechindia.com

CALL: +91 98669 08086

COVID-19 औषधि नियामक ने अमेरिकी कंपनी को दवा के विपणन की मंजूरी दी

नई दिल्ली: कोरोना वायरस महामारी से उत्पन्न संकट को देखते हुये भारत के औषधि नियामक ने अस्पताल में भर्ती COVID-19 रोगियों पर अमेरिका की फार्मा कंपनी गिलेड साइंसेज को उसकी विषाणु निरोधक दवा रेमेडीसिविर के प्रतिबंधित आपातकालीन इस्तेमाल को लेकर मार्केटिंग की अनुमति दे दी है. इससे संबंधित एक सूत्र ने प्रेट्र को बताया कि कोरोना वायरस महामारी के आलोक में आपात स्थिति एवं दवा की जरूरतों को देखते हुए रेमेडीसिविर की मंजूरी की प्रक्रिया तेज कर दी गई है. सूत्रों ने बताया कि इस दवा के इस्तेमाल की मंजूरी प्रतिबंधित आपातकालीन इस्तेमाल के लिए दी गई है. यह अधिकतम पांच दिन की अवधि के लिए है. उन्होंने बताया कि इसका इस्तेमाल ऐसे व्यक्तियों एवं बच्चों के इलाज पर किया जाएगा जो संदिग्ध रूप में अथवा संक्रमण की पुष्टि के बाद अस्पताल में भर्ती हैं और जिनमें संक्रमण के गंभीर लक्षण हैं. उन्होंने बताया, इंजेक्शन के सहारे दी जाने वाली इस दवा को अस्पताल एवं संस्थाओं के इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी गई है जिसे विशेषज्ञों के पर्चे पर खुदरा लिया जा सकेगा. सूत्रों ने बताया, इसे दस दिन की बजाए अधिकतम पांच दिन की अवधि के लिए मंजूरी किया गया है क्योंकि अनुमोदन के समय प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर इसके विस्तारित इस्तेमाल का कोई लाभकारी प्रभाव नहीं देखा गया है. उन्होंने बताया, नई औषधि एवं क्लिनिकल ड्रायल नियम 2019 के तहत विशेष प्रावधान ला कर दवा को मंजूरी देने की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है, जिसके तहत विशेष परिस्थितियों में क्लिनिकल ड्रायल से छूट का प्रावधान है. गिलेड साइंसेज ने 29 मई को भारत में दवा के विपणन अधिकार के लिए आवेदन दिया था. इस दवा को COVID-19 के संभावित उपचार के तौर पर देखा जा रहा है. केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की विशेषज्ञों की समिति से सलाह मशविरों के बाद इस दवा को मंजूरी दी गई है.

किडनी की पथरी के लिए घरेलू उपचार

पानी अधिक से अधिक पियें. नींबू का रस और जैतून का तेल का सेवन करें. सेब के सिरका का सेवन करें. गिलोय के तने का चूर्ण 10 ग्राम, आंवला का चूर्ण 10 ग्राम, सोंठ चूर्ण 5 ग्राम, गोखरू के बीजों का चूर्ण 3 ग्राम, अश्वगंधा की जड़ों का चूर्ण 5 ग्राम और यह सब 100 ग्राम पानी में उबाला जाए. प्राप्त काढ़े को दिन में दो बार प्रतिदिन लिया जाए यह प्रक्रिया लगातार 2 माह तक प्रयोग किया जाए तो किडनी की पथरी को निकाला जा सकता है. यह घरेलू उपचार पथरी के लिए सही साबित होगा. **नीलम सिंह.**

20 YEARS 1998-2018

Quest PHARMACEUTICALS
The Pharma People...

Quest for Standard ...
Quest for Quality ...
Quest for growth ...
Quest to excel ...

Tablets | Capsules | Softgels | Liquid Orals | Injections
Ointments | Dry Syrups | Drops | Protein Powder

Where Maintaining Transparency, Trust & Ensuring Customer Satisfaction is a Norm

DOT-250 DT / Cap. Amoxicillin 250mg + Lactic Acid Bottle Size 60 million spores	DOT-500 Amoxicillin 500mg + Lactic Acid Bottle Size 60 million spores Cap.	CHECKSPAS Diclofenac 75mg + Paracetamol 325mg Bottle Size 100 mg tablets	CORTIPRIV-6 Deflazacort 6 mg Tab. / Sys.
FEBUQUEST-40 Febuxostat 40mg Tablets	DOTCLAV Amoxicillin 500mg + Clavulanic Acid 125mg Bottle Size 60 million spores	DIVINASE FORTE Tizanidine 4mg Tablets	FALQUEST Fentanyl 0.1mg + Lorazepam 1mg Bottle Size 100 mg tablets
HICLOX-LB Amoxicillin 500mg + Clavulanic Acid 125mg Bottle Size 60 million spores Cap.	DIVINASE RB Tizanidine 4mg + Ibuprofen 400mg Bottle Size 100 mg	QUPRAZ Pantoprazole 40 mg	MOFLO-OZ Mofloxicillin 500mg + Ofloxacin 200mg Bottle Size 100 mg tablets
ZOLSTAR-DSR / LSR Zolmitriptan 2.5mg + Paracetamol 325mg Bottle Size 100 mg tablets	QUPOD-CV Cefepime 200mg + Clavulanic acid 125mg 125mg Tablets	SPOROCEF-CV Cefepime 200mg + Clavulanic acid 125mg 100mg Tablets	SPOROCEF-O Cefepime 200mg + Ofloxacin 200mg 100mg Tablets
SPOROCEF-100 / 200 DT Cefepime 100 / 200 mg Dispersible Tab.	MEROCRAFT-1g Meropenam 1gm	LYCOSHINE Lycopersicon 30mg + Vitamin E 100mg Bottle Size 100 mg tablets	QUPOD-100 / 200 DT Cefepime 100 / 200 mg Dispersible Tab.
SPEEDON-SP Acetaminophen 325mg + Paracetamol 325mg Bottle Size 100 mg tablets	SPEEDON - TH4 Acetaminophen 325mg + Thiazinide 4mg	QUPRAZ-DSR / LSR Pantoprazole 40mg + Sucralfate 1gm Bottle Size 100 mg tablets	SPEEDON-P Acetaminophen 325mg + Paracetamol 325mg Bottle Size 100 mg tablets

Parties with sound financial background and established network are welcome to contact for Monopoly rights at:

SCF-15, A-Block Market, Ranjit Avenue, Amritsar (Pb.)
INDIA (M): 98885-25668, 98146-45668 (Mr. Ranjit)
Email: quest_pharma@yahoo.co.in, visit at: www.questpharma.co.in

MEDICAL DARPAN MEDIA HOUSE
All India Circulation

Monthly Edition Yearly Edition

मैडीकल दर्पण

PHARMA NEWS

PHARMA दर्पण

मंगाने, विज्ञापन व समाचार हेतु सम्पर्क करें

Dr. Rudra Dvivedi
Mob.: 9826245593
(Madhya Pradesh)

Vishal Thakur
Mob.: 9300895888
(Jabalpur)

Anoop Sharma
Mob.: 9309205071
(Satna)

medicaldarpan.com • medicaldarpan.in

सफलता मिले तो घमंड मत करना

एक बार की बात है कि महाभारत के युद्ध में अर्जुन और कर्ण के बीच घमासान चल रहा था। अर्जुन का तीर लगने पे कर्ण का रथ 25-30 हाथ पीछे खिसक जाता, और कर्ण के तीर से अर्जुन का रथ सिर्फ 2-3 हाथ लेंकन श्री कृष्ण थे की कर्ण के वार की तारीफ किये जाते, अर्जुन की तारीफ में कुछ ना कहते। अर्जुन बड़ा व्यथित हुआ, पूछा, हे पार्थ आप मेरी शक्तिशाली प्रहारों की बजाय उसके कमजोर प्रहारों की तारीफ कर रहे हैं, ऐसा क्या कौशल है उसमें। श्री कृष्ण मुस्कुराये और बोले, तुम्हारे रथ की रक्षा के लिए ध्वज पे हनुमान जी, पहियों पे शेषनाग और सारथि रूप में खुद नारायण हैं। उसके बावजूद उसके प्रहार से अगर ये रथ एक हाथ भी खिसकता है तो उसके पराक्रम की तारीफ तो बनती है। कहते हैं युद्ध समाप्त होने के बाद श्री कृष्ण ने अर्जुन को पहले उतरने को कहा और बाद में स्वयं उतरे। जैसे ही श्री कृष्ण रथ से उतरे, रथ स्वतः ही भस्म हो गया। वो तो कर्ण के प्रहार से कबका भस्म हो चुका था, पर नारायण विराजे थे इसलिए चलता रहा। ये देख अर्जुन का सारा घमंड चूर चूर हो गया। कभी जीवन में सफलता मिले तो घमंड मत करना, कर्म तुम्हारे हैं पर आशीष ऊपर वाले का है और किसी को परिस्थिति वश कमजोर मत आंकना, हो सकता है उसके बुरे समय में भी वो जो कर रहा हो वो आपकी क्षमता के भी बाहर हो। देवेश निगम (जैनपुर) 8187961053.

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samartha Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyall Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venkateswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

निस्वार्थ त्याग और भक्ति की आज तक की सबसे बड़ी मिसाल

गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे-छोटे साहिबजादों बाबा फतह सिंह और बाबा जोरावर सिंह की शाहादत की दास्तान शायद आप सबने कभी ना कभी कहीं ना कहीं से सुनी होगी.....यहीं गिरहिनंद के फतहगढ़ साहिब में मुगलों के तत्कालीन फौजदार वजीर खान ने दोनो साहिबजादों को जीवित ही दीवार में चिनवा दिया था। दीवान टोडर मल जो कि इस क्षेत्र के एक धनी व्यक्ति थे और गुरु गोविंद सिंह जी एवं उनके परिवार के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने को तैयार थे। उन्होंने वजीर खान से साहिबजादों के पार्थिव शरीर की माँग की और वह भूमि जहाँ वह शहीद हुए थे। वहीं पर उनकी अंत्येष्टि करने की इच्छा प्रकट की वजीर खान ने धृष्टता दिखाते हुए भूमि देने के लिए एक अटपटी और अनुचित माँग रखी.... वजीर खान ने माँग रखी कि इस भूमि पर सोने की मोहरें बिछाने पर जितनी मोहरें आएंगीं, वही इस भूमि का दाम होगा।दीवान टोडर मल के अपने सब भंडार खाली करके जब मोहरें भूमि पर बिछानी शुरू कीं तो वजीर खान ने धृष्टता की परकाष्ठा पार करते हुए कहा कि मोहरें बिछा कर नहीं बल्कि खड़ी करके रखी जाएँगी ताकि अधिक से अधिक मोहरें वसूली जा सकें.....खैर.....दीवान टोडर मल ने अपना सब कुछ बेच-बाच कर और मोहरें इकट्ठी कीं और रु78000 सोने की मोहरें देकर चार गज भूमि को खरीदा ताकि गुरु जी के साहिबजादों का अंतिम संस्कार वहाँ किया जा सके.....विश्व के इतिहास में ना तो ऐसे त्याग की कहीं कोई और मिसाल मिलती है ना ही कहीं पर किसी भूमि के टुकड़े का इतना भारी मूल्य कहीं और आज तक चुकाया गया। जब बाद में गुरु गोविन्द सिंह जी को इस बारे में पता चला तो उन्होंने दीवान टोडर मल से कृतज्ञता प्रकट की और उनसे कहा की वे उनके त्याग से बहुत प्रभावित हैं और उनसे इस त्याग के बदले में कुछ माँगने को कहा। जरा सोचिए दीवान टोडर मल ने क्या माँगा होगा गुरु जी से ? दीवान जी ने गुरु जी से जो माँग उसकी कल्पना करना भी असम्भव है! दीवान टोडर मल जी ने गुरु जी से कहा की यदि कुछ देना ही चाहते हैं तो कुछ ऐसा वर दीजिए की मेरे घर पर कोई पुत्र ना जन्म ले और मेरी वंशावली यहीं मेरे साथ ही समाप्त हो जाए, इस अप्रत्याशित माँग पर गुरु जी सहित सब लोग हक्क-बक्क रह गए..... गुरु जी ने दीवान जी से इस अद्भुत माँग का कारण पूछा तो दीवान जी का उत्तर ऐसा था जो रंगते खड़े कर दे. दीवान टोडर मल ने उत्तर दिया कि गुरु जी, यह जो भूमि इतना महंगा दाम देकर खरीदी गयी और आपके चरणों में न्योछावर की गयी मैं नहीं चाहता की कल को मेरे वंश आने वाली नस्लों में से कोई कहे की यह भूमि मेरे पुरखों ने खरीदी थी. यह थी निस्वार्थ त्याग और भक्ति की आज तक की सबसे बड़ी मिसाल.....आज किसी धार्मिक स्थल पर चार ईंटें लगवाने पर भी लोग अपने नाम की पट्टी पहले लगवाते हैं. एकपंखा तक लगवाने पर उसके परों पर अपने नाम छपवाते हैं. आज देश में एक फर्जी बलिदानी परिवार अपने आप को सबसे बड़ा बलिदान का प्रतीक बताते हुए पिछले सत्तर वर्षों से देशवासियों को मूर्ख बना रहा है. हमारे पुरखे जो बलिदान देकर गए हैं वह अभूतपूर्व हैं और इन्हीं बलिदानों के कारण ही हम लोगों का अस्तित्व अभी तक है. हमारी इतनी औकात नहीं कि हम इस बलिदान के हजारवें भाग का भी ऋण उतार सकें. यह सब जिन दिनों में हुआ यह वही दिन थे जिन दिनों में आज कल हम मूर्ख भारतीय जोकर जैसे कपड़े पहन कर क्रिसमस जैसे विदेशी त्योहार मनाते हुए बेगानी शादी में दीवाने हुए जाते हैं. त्याग और बलिदान को इस गाथा को अधिक से अधिक लोगों के साथ शेयर कीजिए और अपने पुरखों का मान-सम्मान बढ़ाइए. Ashok kumar, Mob.: 9760104768.

सरकार की नियमित ड्रग टेस्टिंग और मॉडर्न लैब योजना

नई दिल्ली- देश के 2 लाख करोड़ की फार्मा इंडस्ट्री को रेगुलेट करने के लिए सरकार ने नियमित तौर पर ड्रग टेस्टिंग की योजना बनाई है. इसके लिए सभी राज्यों में मॉडर्न लैब बनाई जाएगी. जांच के लिए स्पेशल टीम बनायी जाएगी. दवा बनाने वाली कंपनियां अब क्वालिटी के मामले में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरत पाएंगी. दवाइयों में अगर किसी तरह की कमी पाई गई तो कंपनियों को भारी जुर्माना देना पड़ सकता है. यहाँ तक कि लाइसेंस रद्द भी किया जा सकता है. स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए हर स्टेट में दवाइयों की जांच के लिए आधुनिक तकनीक वाले लैबोरेटरी बनाई जाएंगी. पहले से मौजूद टेस्टिंग लैब में सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी. लैब के लिए ट्रेड मैनेपावर का इंजाम किया जाएगा. सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन कभी भी राज्यों में ड्रग मैनुफैक्चरिंग साइट से सैंपल उठाकर उनकी जांच इन लैब में करवा सकती है. अगर जांच में कुछ भी गलत पाया गया तो इसकी जिम्मेदारी ड्रग कंपनी की होगी. पिछले दिनों एफ.डी.सी. ड्रग या कुछ अन्य दवाइयों की क्वालिटी खराब पाए जाने के बाद इस ओर खास तौर से ध्यान दिया जा रहा है. फंडिंग के लिए 75 रू, 25 और 90 रू 10 का फॉर्मूला राज्यों में लैबोरेटरी बनाने और उनमें मैनेपावर के लिए केंद्र सरकार की ओर से 75 फीसदी फंडिंग की जाएगी और 25 फीसदी हिस्सा राज्यों का होगा. हालांकि नॉर्थ ईस्ट जम्मू एंड कश्मीर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए यह अनुपात 90 रू 10 का होगा. इसके लिए राज्य सरकारों से बात चल रही है. दवा की गुणवत्ता के लिए स्टेट ड्रग रेगुलेटरी सिस्टम में होने वाले हर सुधार पर भी नजर रखी जाएगी. पूरी योजना की ऑडिट ड्रग कंट्रोल जनरल आफ इंडिया द्वारा किया जाएगा. ओवरऑल मॉनिटरिंग हेल्थ मिनिस्ट्री द्वारा होगी. अधिकारी ने बताया कि देश में मिलने वाली दवा की क्वालिटी में कमी हो तो इससे पब्लिक हेल्थ प्रभावित होती है साथ ही देश की छवि भी खराब होती है. इसका सीधा असर ड्रग इंडस्ट्री पर पड़ता है. इसलिए ऐसा नेटवर्क तैयार किया जा रहा है जिससे यहाँ केवल सेफ ड्रग की उपलब्धता ही हो.

सैनिटाइजर बना रही अवैध फैक्ट्री पर रेड

कोशीबा: कोरोना संकट काल में लोग महामारी के डर का भी फायदा उठा रहे हैं. औषधि निरीक्षक और पुलिस टीम ने मादपुर गांव में दबिशा देकर पखवा रा भर से चोरी-छिपे संचालित सैनिटाइजर फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया. मौके से सैनिटाइजर बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल व उपकरण बरामद हुए. पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहाँ से जेल भेज दिया गया है. जानकारी अनुसार मादपुर निवासी संजीव कुमार पुत्र रामशंकर का मकान सड़क किनारे है. लगभग 15 दिन से इस मकान को दो लोगों ने किराए पर ले रखा था. दोनों युवक कमरे में चोरी-छिपे केमिकल के जरिए सैनिटाइजर बनाते थे. सल्लाहपुर चौकी प्रभारी संजय सिंह परिहार को मुखबिर से इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने औषधि निरीक्षक गोविंद लाल गुप्ता और राहुल कुमार की मदद ली और पुलिस फोर्स के साथ मादपुर गांव पहुंच गए. चौकी प्रभारी के मुताबिक मकान से दो युवकों को पकड़ा गया. साथ ही मौके से करीब 12 लाख रुपये कीमत का 11 सौ लीटर आइसो प्रोफाइट अल्कोहल समेत अन्य केमिकल बरामद किया गया. आरोपितों ने अपना नाम मोहम्मद अफजाल पुत्र अफसर अहमद निवासी नीम सराय मुंडेरा धूमनगंज प्रयागराज व अमित सिंह पुत्र गुलाब सिंह निवासी पहाड़पुर मऊ चित्रकूट के रूप में बताया. दोनों आरोपितों ने पुलिस को बताया कि वह केमिकल के प्रयोग से सैनिटाइजर बनाते हैं और शीशी में हाइजिन नाम का रैपर लगाकर बेचते थे. पूरा मुफ्ती के मादपुर में पकड़े गए नकली सैनिटाइजर कारखाना में सौ और दो सौ ग्राम की बोतला. को पैकिंग की जाती थी. पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह मूरतगंज, मनौरी, चरवा समेत प्रयागराज के मुंडेरा, धूमनगंज और नैनी में सप्लाय करते थे. आरोपित अमित ने बताया कि वह पहले अकेले ही नकली पाउडर

करोड़ों का दवा खरीद घोटाला

श्रीनगर: राजनीति और आतंकवाद को लेकर केंद्र में रहने वाला जम्मू-कश्मीर इस बार दवा खरीद में करोड़ों के घोटाले को लेकर चर्चा में है. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपये के घोटाले का खुलासा होने से घाटी में हलचल मच गई है. वित्तमंत्री डॉ. अहमद द्रावू द्वारा विधानसभा में पेश की गई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैंग) की रिपोर्ट में सामने आया कि राज्य के मरीजों को 50.95 लाख दवाइयां घटिया स्तर की दे दी गई. विभाग ने 89.08 करोड़ के उपकरण और दवाइयां एक्सपायर्ड रेट कांटेक्ट्स, स्वास्थ्य संस्थान से बाहर अथवा स्थानीय बाजार से खरीदे गए हैं. इनमें 44.28 करोड़ रुपये की दवाइयां और 34.80 करोड़ रुपये के उपकरण शामिल हैं. इसी प्रकार 1.17 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण फर्जी सप्लाय ऑर्डर के आधार पर खरीद लिए, जबकि अस्पतालों को मिलने के बावजूद 1.21 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण ढांचगत सुविधाओं एवं प्रशिक्षित स्टाफ के अभाव में दे दी गयी. नियमों के अनुसार स्वास्थ्य संस्थानों को कोई दवाई अथवा डिस्पोजेबल का प्रयोग करने से पहले इसे ड्रग कंट्रोलर या किसी मान्यताप्राप्त लैबोरेटरी को सैंपल भेजना होता है, ताकि इन सैंपलों की टेस्टिंग के बाद सुनिश्चित किया जा सके कि संबंधित दवाई अथवा डिस्पोजल उच्च गुणवत्ता का है, लेकिन कैंग की जांच के दौरान पाया गया कि राज्य के अनेक स्वास्थ्य संस्थानों में ऐसी टेस्टिंग नहीं करवाई गई थी. स्टेट ड्रग एंड फूड कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन, श्रीनगर के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2010 से 2015 तक विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से केवल 1733 सैंपल लिए गए, जिनमें से 43 निम्न गुणवत्ता के पाए गए. राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में 50.95 लाख गोलीयां, कैप्सूल व इंजेक्शन भी गुणवत्ताहीन मिले. कैंग की रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा एक ही दवाइयां अलग-अलग रेट पर खरीदी गई. खरीद प्रक्रिया में बड़े स्तर पर नियमों का उल्लंघन हुआ है.

www.medicaldarpan.com

Events Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
Events Corporation
★★★★★
(Ambala)

PSYCHOTROPIC DRUGS

(WHO, GMP, ISO CERTIFIED PRODUCTS)
Pharma & Veterinary

- PCD / FRANCHISE
- THIRD PARTY
- VETERINARY GOVT BUSSINESS
- VETERINARY ECTOPARASITES (CYPER, DELTA, AMITRAZ ETC.)
- AYURVEDIC
- FEED SUPPLEMENTS & COSMETICS
- POULTRY PRODUCTS

Contact : (M) 99960-10004, 94160-23262
EVENTS PHARMACEUTICALS PVT. LTD.
Unit - EVENTS CORPORATION UNITS
Cglt, Nishan Road, Kulu Amb, Dist. Sirsa (H.P.)-173030
Corporate Office - First Floor, Bank Of Baroda Opp. Reliance Trend, Prem Nagar Ambala City
Web Site www.events.org.in Email: eventspharma@gmail.com

Experience
You Can Trust

THIRD PARTY MANUFACTURING FACILITIES AVAILABLE WITH SPARE CAPACITY
EXPORT ENQUIRIES ARE SOLICITED MORE THAN 150 COPP'S AVAILABLE

WHO-GMP, GLP Certified Quality Assured Products Available in :

- Sottgel Capsules : Drug & Food Compositions
- Hardgel Capsules : Non-Betalactam
- Oral Liquids
- External Applications : Ointments, Creams, Lotions, Dusting Powders.
- Soaps : Medicated Soaps
- Tablets : Non-Betalactam
- Dry Syrups : Non-Betalactam
- Sachets : Drug Formulations
- Protein Powder : Drug Formulations

FOR MARKETING ENQUIRY, PLEASE CONTACT

ANVIK BIOTECH
1101229046
Phone No. : 9011524816, 9011524818 & 9011202481
E-mail : anvikbiotech@gmail.com, anvik@anvikbiotech.com
Web Site : www.anvikbiotech.com

ADSILA ORGANICS Pvt. Ltd.
Laxmipur Road, VII, Bahugana-311021,
Dist. Sonapat (Haryana)
E-mail : adsila111@gmail.com, sales@adsilao.org
anvik@adsilao.org, sales@adsilao.org
www.adsilao.org
Ph. : +91 9518006699 & 91 9034044816, +9254324816

Wockhardt announces COVID-19 vaccine partnership with UK Government

Wockhardt, the global pharmaceutical and biotechnology major today announced that it has entered into an agreement with the UK Government to fill finish COVID-19 vaccines. The manufacturing will be undertaken at CP Pharmaceuticals, a subsidiary of Wockhardt based in Wrexham, North Wales. As per the terms of the agreement the company has reserved manufacturing capacity to allow for the supply of multiple vaccines to the UK Government in its fight against COVID19, including AZD1222, the vaccine co-invented by the University of Oxford and its spinout company, Vaccitech and licensed by AstraZeneca. Dr Habil Khorakiwala, Founder Chairman of Wockhardt emphasised, "The pandemic of COVID-19 is a challenge for all and needs a concerted effort to overcome. We are proud to be collaborating with the UK Government to make vaccines available and the arrangement brings in a huge sense of purpose and pride, it upholds our ongoing commitment to fight against such a pandemic of global human importance. As a global organisation, we are focussed and committed to assist in mitigating the worldwide impact of COVID-19." Alok Sharma, Secretary of State for Business, Energy and Industrial Strategy, Government of U.K said, "Ensuring the UK has the capability to research, develop and manufacture a safe and effective vaccine is critical in our fight against coronavirus. www.wockhardt.com "Today we have secured additional capacity to manufacture millions of doses of multiple Covid-19 candidates, guaranteeing the supply of vaccines we need to protect people across the UK rapidly and in large numbers." Speaking about the contract Ravi Limaye, Managing Director Wockhardt UK said, "We are immensely proud to have been selected to partner with the UK Government on this project. In doing so we are taking a lead role in the nation's fight against pandemic of COVID-19". "We have a sophisticated sterile manufacturing facility and a highly skilled workforce. We expect to start delivering the first doses of the vaccine later this year." He added. The government has reserved one fill and finish production line for its exclusive use for the next 18 months in order to guarantee the supply of vaccines required to fight COVID-19 in the UK. Dr Murtaza Khorakiwala, Managing Director and Global CEO of Wockhardt adds, "The arrangement with the UK Government for manufacturing vaccines for COVID-19 showcases our global strength in world class sterile injectable facilities and capacity. With four decades of expertise and experience behind us we are able to quickly scale to manufacture and assist in mitigating the worldwide impact of COVID-19." Kate Bingham, Chair of U.K. Vaccines Task Force said, "Never before have we needed to find and manufacture a vaccine at this speed and scale in order to protect the UK population. We have made significant progress in securing a diverse portfolio of potential vaccines and treatments for Covid-19, adding a fourth vaccine candidate from GSK and Sanofi last week. However, discovering a successful vaccine is only part of the solution, we also need to be able to manufacture it. Fill Finish is a critical step in the process to get the vaccine in a form to be given to patients. The agreement with Wockhardt will boost our capability to ensure that from the moment a successful vaccine is identified we will be Wockhardt Limited | D-4, MIDC, Chikalthana | | Aurangabad | Maharashtra | 431 006 | | India | | Tel.: +91-22-2653 4444 | | www.wockhardt.com able to produce the quantities of vaccine required, as quickly as possible, for the people who need it." Wockhardt is a global pharmaceutical and biotech organisation that brings affordable, high quality medicines to market. In the UK, Wockhardt is one of the largest suppliers into the NHS for over 20 years, has had a presence in Wrexham for over two decades and employs over 400 people at its 612,000 square feet high-tech manufacturing facility.

Piramal Pharma Announces Integrated Development Program with Bolt Biotherapeutics



Piramal Pharma Announces Integrated Development Program with Bolt Biotherapeutics for Immune-Stimulating Antibody Conjugates and Sterile Fill-Finish Piramal Pharma Solutions (PPS) provides integrated services including formulation¹ development, antibody drug conjugates and lyophilized drug product in vials PPS is handling production

of Bolt's Boltbody™ Immune Stimulating Antibody Conjugate (ISAC), BDC-1001, currently in a first-in-human Phase 1/2 clinical study for treatment of cancer patients Mumbai, India, July 29, 2020: Piramal Pharma Solutions, a leading contract development and manufacturing organization (CDMO), today announced that it is providing Bolt Biotherapeutics (Bolt) with the supply of both the BDC-1001 ISAC drug substance and the drug product for Bolt's ongoing Phase 1/2 clinical study in cancer patients. The Piramal Pharma Solutions (PPS) team is applying its integrated drug development model to Bolt's BDC-1001 for the treatment of patients with HER2-expressed solid tumors. The program encompasses formulation development and ISAC development and manufacture at PPS' Grangemouth, UK site. The drug substance is then processed into lyophilized, sterile fill-finish vials at PPS's Lexington, KY, U.S. site. This seamless integration across two PPS sites, which shortens delivery timelines and expedites distribution to clinic, is an example of PPS' patient-centric philosophy. According to Peter DeYoung, Chief Executive Officer, Piramal Pharma Solutions, "Bolt's technology platform has demonstrated significant, positive data in preclinical models, including the development of immunological memory against tumors, and is now in a human clinical trial. The manufacturing of ISACs utilizes essentially the same process as antibody drug conjugate (ADC) manufacturing, enabling us



Unichem Laboratories Limited is pleased to announce Tablets USP 1 mg and 2 mg from (USFDA)

Unichem Laboratories Limited is pleased to announce that it has received ANDA approval for its Tolterodine Tartrate Tablets, USP 1 mg and 2 mg from the United States Food and Drug Administration (USFDA) to market a generic version of DETROL® (tolterodine tartrate) tablets of Pfizer Inc. Tolterodine tartrate tablets are indicated for the treatment of overactive bladder with symptoms of urge urinary incontinence, urgency, and frequency. The product will be commercialized from Unichem's Goa Plant. About Unichem Laboratories Limited Unichem Laboratories Limited is an international, integrated, specialty pharmaceutical company. It manufactures and markets a large basket of pharmaceutical formulations as branded generics as well as generics in several markets across the world. In India, The Company has strong skills in product development, process chemistry and manufacturing complex API as well as dosage forms. More information about the Company can be found at www.unichemlabs.com For more information please contact: Mr. Pradeep Bhandari Ph: +91-22-66888 404 E-mail: pradeep.bhandari@unichemlabs.com.

अमेरिका फार्मा कंपनी ने FDA के काउंटर ऑइंटमेंट पर की खुलकर बात!

वाशिंगटन: एक तरफ जहाँ कोरोना महामारी की वजह से अब तक वैश्विक स्तर पर आठ लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, वहीं, इससे निपटने के लिए सभी फार्मा कंपनियों अथक प्रयास कर रही हैं। इसी दौरान अमेरिका की एक फार्मा कंपनी ने काउंटर ऑइंटमेंट पर फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से अप्रूव्ड परीक्षण को लेकर सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। दरअसल, इस संदर्भ में इन परियोजनाओं से जुड़े वैज्ञानिकों ने कहा, "काउंटर (OTC) ऑइंटमेंट पर FDA रजिस्टर्ड नॉन-प्रेस्क्रिप्शन को कोरोना वायरस सहित वायरल संक्रमण को रोकने के लिए सिद्ध किया गया है। वहीं, फार्मा कंपनी ने भी एक बयान में कहा, "लैब की रिपोर्ट के अनुसार, T3X उपचार के 30 सेकंड के बाद किसी भी संक्रामक वायरस का पता नहीं चला." एडवॉन्स पेनिट्रेशन टेक्नोलॉजी के संस्थापक और सीईओ के डॉ. ब्रायन ह्यूवर ने कहा, "हम मानते हैं कि यह एक सफलता होगी, जो कोरोना वायरस से संक्रमित होने की संभावना को कम कर देगी। मैं कहूँ तो यह बहुत बड़ा सौदा है, क्योंकि यह उस प्रकार का संरक्षण है जिसकी बहुत लोग उम्मीद कर रहे हैं। वहीं, यह COVID-19 वायरस के खिलाफ सफलता का पहला चरण हो सकता है।" मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के एक हालिया अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला है कि लोग COVID-19 और अन्य वायरस को मुख्य रूप से नाक के माध्यम से अनुबंधित करते हैं। हालांकि, वायरस अभी भी मुँह और आंखों के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकता है। कंपनी ने कहा, T3X एक FDA पंजीकृत और ओवर-द-काउंटर फॉर्मिलेशन है, जिसका अर्थ है कि किसी भी नुस्खे की आवश्यकता नहीं है। वहीं, इसका उपयोग करना आसान भी है, और चिकित्सा कर्मियों की सहायता के बिना स्व-प्रशासित किया जा सकता है।" एक लंदन स्थित अनुसंधान प्रयोगशाला, वायरोलॉजी रिसर्च सर्विसेज लिमिटेड ने उत्पाद के एंटी-वायरल प्रभाव का मूल्यांकन किया, जिसका नाम APT™ T3X है। साथ ही अनुसंधान प्रयोगशाला निष्कर्ष निकाला है कि APT™ T3X प्रभावी रूप से सेकंड के भीतर वायरल संक्रामकता को बेअसर करता है। वहीं, एंटी-वायरल प्रभावकारिता एक्सपोज के वायरल लोड को कम करने के लिए APT™ T3X के सामयिक इंटरनेसल उपयोग का समर्थन करता है। कंपनी ने आगे कहा, "शर्तों के तहत परीक्षण किया गया है, APT™ T3X कंपनी ने मानव कोरोना वायरस NL63 के खिलाफ 99.9% विरुषी गतिविधि प्रदर्शित करता है। प्रतिरोधी बैक्टीरिया संक्रमणों के लिए उत्पाद को शुरू में आठ साल पहले विकसित किया गया था, लेकिन इसके निर्माण के अतिरिक्त शक्तिशाली एंटी-फॉल और एंटी-वायरल श्रेणी प्रदान करता है। इसका कोई प्रलेखित दुष्प्रभाव नहीं है। हालांकि, लाइम रोग के निदान वाले रोगियों को उपयोग के तुरंत बाद संभावित "हर्क्स" प्रतिक्रिया के बारे में पता होना चाहिए।"

to capitalize on our deep expertise in this space. Our ability to produce these novel ISACs and package them for clinical trials in one efficient, integrated process compresses the timeline of the development of Bolt's drug. We remain committed to our patient-centric approach and are proud to partner with an industry leader like Bolt to help reduce the burden of disease on patients." Nathan Ihle, VP CMC & Quality for Bolt Biotherapeutics, added, "Bolt is a leader in ISAC technology, and our partnership with Piramal Pharma Solutions is important to bring our technology to the clinic. Piramal's experience in the manufacture of commercial ADCs provides Bolt with a reliable partner for the development of BDC-1001." The first cycle of drug substance to drug product manufacturing has been successfully completed through PPS' integrated program. Additional cycles are in progress, as are further developments that will benefit future indications and new clinical programs. *** About Piramal Pharma Solutions: Piramal Pharma Solutions is a contract development and manufacturing organization (CDMO), offering end-to-end development and manufacturing solutions across the drug life cycle. We serve our clients through a globally integrated network of facilities in North America, Europe and Asia. This enables us to offer a comprehensive range of services including Drug Discovery Solutions, Process & Pharmaceutical Development services, Clinical Trial Supplies, Commercial supply of APIs and Finished dosage forms. We also offer specialized services like development and manufacture of Highly Potent APIs and Antibody Drug Conjugation. Our capability as an integrated service provider & experience with various technologies enables us to serve Innovator and Generic companies worldwide.

Glenmark appoints Dipankar Bhattacharjee to its Board of Directors



Mr. Bhattacharjee was previously President & CEO – Global Generic Medicines of Teva Pharmaceutical Industries Ltd and has over thirty years of global pharmaceutical experience Mumbai, India: Glenmark Pharmaceuticals, a research-led, integrated global pharmaceutical company, announced the appointment of Mr. Dipankar Bhattacharjee as Independent Non-Executive Director on the Board of the organization for a period of five years with effect from 14th August, 2020. Mr. Bhattacharjee comes with over 30 years of global experience in leading Generics, Specialty and OTC Pharma, Medical Devices, and FMCG businesses. He has led high performing teams to develop and execute business strategies across all stages of business cycles, driving growth and value through commercial innovation and focused R&D investments. In his previous role, Mr. Bhattacharjee held various senior leadership positions at Teva Pharmaceutical Industries, including President & CEO - Global Generics Medicines, Officer and Member Teva Executive Committee (TEC), and Co-chair in JVs with P&G and Takeda Pharmaceuticals. With strong orientation towards stakeholders including investors, customers and consumers, and deep understanding of payers and regulators, he has consistently delivered short term and long term results across multiple geographies and business environments. Before Teva, Mr. Bhattacharjee worked with leading global organizations such as Bausch & Lomb, Bank of America and Nestle. He holds a Master's degree in Management Studies from Jamnalal Bajaj Institute of Management Studies, University of Mumbai, and a Bachelor's degree in Economics from St. Stephen's College, University of Delhi.

Lupin Receives Approval for Generic Albuterol Sulphate MDI



Mumbai: Pharma major Lupin Limited (Lupin) announced today that it has received approval from the United States Food and Drug Administration (U.S. FDA) for its Albuterol Sulfate Inhalation Aerosol, 90 mcg (base)/actuation, a generic version of ProAir HFA. Lupin's generic Albuterol Sulphate MDI will be manufactured at its Indore (Unit III) facility in India. ProAir HFA (Albuterol Sulfate Inhalation Aerosol) is the registered trademark of Teva Branded Pharmaceutical Products R&D, Inc. (Teva) and is indicated for the treatment of acute episodes of bronchospasm or prevention of asthmatic symptoms. Commenting on the development, Vinita Gupta, CEO, Lupin said, "Approval of our generic Albuterol MDI is a significant milestone in our complex generics evolution and a validation of our Inhalation team's development capabilities, backed by our global manufacturing strength in handling multiple dosage forms. The approval is timely as Albuterol MDI is a key rescue inhalation product for asthma patients who are at an increased risk of COVID-related complications. We look forward to launching the product this quarter and expect a steady ramp-up through the fiscal year." The total Albuterol Sulfate Inhalation Aerosol market had U.S. sales of approximately US\$2.9 billion, of which the ProAir® HFA market accounted for US\$1.3 billion (IQVIA MAT June 2020). **About Lupin-** Lupin is an innovation-led transnational pharmaceutical company headquartered in Mumbai, India. The Company develops and commercializes a wide range of branded and generic formulations, biotechnology products and APIs in over 100 markets in the U.S., India, South Africa and across Asia Pacific (APAC), Latin America (LATAM), Europe and Middle-East regions. The Company enjoys leadership position in the cardiovascular, anti-diabetic, and respiratory segments and has significant presence in the anti-infective, gastro-intestinal (GI), central nervous system (CNS) and women's health areas. Lupin is the third largest pharmaceutical company in the U.S. by prescriptions and in India by global revenues. The Company invests 9.6 % of its revenues on research and development. Lupin has fifteen manufacturing sites, seven research centers, more than 20,000 professionals working globally, and has been consistently recognized as a 'Great Place to Work' in the Biotechnology & Pharmaceuticals sector.

कोरोना काल में गए ससुराल - कविता

कोरोना काल में ससुराल यात्रा.
कोरोना काल में जब पहुँच गया ससुराल.
बहुत ही अजीब सा था वहाँ का हाल.
घर की घंटी बजाते ही सास दौड़ी आई.
देख जमाई को आज, मजबूरी में मुसकाई.
बोली थोड़ी देर गेट पर आप उठर जाओ.
वाश वेशन पर सैनिटाइजर से हाथ धो जाओ.
पढ़े लिखे हो चेहरे पर मास्क नहीं लगाया.
घर पर ही रहना था किसी ने नहीं समझाया.
खैर आ ही गए हो तो दरवाजे पर जूते दो उतारो.
पैर धोकर आ जाओ चाय रखी है तैयार.
मन में उठा क्रोध पर कुछ कह नहीं पाया.
लगा जैसे जमाई नहीं, कोई राक्षस ससुराल आया.
इज्जत तो सारी आज कोरोना ने हर ली.
बाकी की कसर सासू माँ ने पूरी कर ली.
फिर बेआबरू हो कदम साली की ओर बढ़ाया.
वहाँ से भी नकारात्मक सा उत्तर आया.
वो बोली सामाजिक दूरी को समझ नहीं पाये.
हमारे इतनी पास क्यों जीजाजी चले आये.
दूर से ही करती हैं आज आपको नमस्ते.
छोटे साले ने भी दूर से हाथ हिलाया, हँसते हँसते.
फिर ससुरा जी को मधुर आवाज दी सुनाई.
कवारंटइन करना रे, बाहर से आया है जमाई.
चाय हाथ में थी, पर नहीं जा रही थी गटकी.
चाय खत्म होते ही, लगाना चाह रहा था चुड़की.
जो काम सरकार लोकडाउन ने नहीं कर पाई.
ससुराल वालों ने एक ही दिन में थी समझाई.
विनती करता हूँ आपसे इन हालात में ससुराल मत चले जाना.
मेरे भाई. राजेश गुप्ता - 9837830236

e-derma A complete Range of Skin Care Products

Franchisee For SKIN SPECIALIST Products

More Than 170 Products

Feel Free for Any Query

9034435000, 9034635000

edermapharma@hotmail.com

www.edermapharma.com

WAIT FOR E-PHARMACY RULES

The Central government has recently notified the new e-commerce rules as part of its updated consumer protection legislation, making online retailers more accountable and their businesses more transparent. Under the new Consumer Protection (E-Commerce) Rules, 2020, e-tailers have to compulsorily display details about return, refund, exchange, warranty and guarantee, delivery and shipment, modes of payment, and grievance redressal mechanism as well as the 'country of origin'. Companies

Sumit Pawa

are also not allowed to manipulate the price of goods and services offered on their platforms to make unreasonable profit, discriminate between consumers or make any arbitrary classification of consumers affecting their rights under the Act. While the government has come out with new rules to regulate e-tailers, it is unfortunate that the government is yet to finalise a set of separate rules for e-pharmacy even after five years since the Union Health Ministry constituted an expert panel on the issue. The ministry in July 2015 had constituted an expert committee, under the chairmanship of the then Maharashtra FDA Commissioner Dr Harshdeep Kamble, to assess the feasibility of online pharmacy in the country. It is sad to note that the government is yet to give final shape to the new rules. earliest to enable fair competition. IAMA alleged that delay in finalisation of policy has prompted vested groups of distributors and retailers to spread rumours hampering competition thus leading to rise in drug prices in the country. A new set of rules for e-pharmacy is of much significance as in the absence of clear-cut provisions in the D&C Act regarding the sale of drugs through e-pharmacies, utter confusion prevails in the country's pharmaceutical market at present. The country currently does not have a regulatory mechanism for online sale of drugs and the laws governing the brick-and-mortar pharmacy business are applicable to the e-pharmacies as well. The D&C Act does not distinguish between conventional and online sale of drugs. As per Section 18(c) of D&C Act, 1940 to be read with Rule 65, only a licensed retailer is entitled for the sale of drugs and that too on the basis of prescription of a doctor only. Rule 65 stipulates sale of drugs under the supervision of a registered pharmacist which also involves signing of the bill and stamping of the prescription by the pharmacist and the doctor. But, according to reports, as the existing laws are vague on the issue, there are rampant sale of prescription drugs by the e-pharmacies in contravention to the prevailing laws. In the context of the rising incidence of multi-drug resistant bacteria, which is a serious public health issue worldwide, there is a larger public interest in regulating the online supply of drugs. Easy access to critical medicines like antibiotics through online pharmacies is a serious issue and there is definitely a need to have stringent and specific provisions for ensuring the effective monitoring and supervision on online pharmacies. It is a cause for serious concern as, in the absence of clear provisions, the new trading platform can also be used by the unscrupulous elements in the trade to route substandard and spurious medicines. This call for urgent finalisation of a set of rules for governing the e-pharmacies in the country. - **Sumit Pawa Kanpur (Kanpur) 7084000070.**

फार्मा उद्योग अनुसंधान और विकास के व्यावसायीकरण के लिए शिक्षाविदों के साथ काम करेगा

ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स (दक्षिण एशिया) में एबॉट हेल्थकेयर के वरिष्ठ निदेशक राकेश के चितकारा का कहना है कि उद्योग और अकादमिक साझेदारी न केवल तालमेल बनाती है, बल्कि कोविड-19 महामारी के वर्तमान परिदृश्य में आवश्यक गति से समाधान विकसित करने और बढ़ाने के लिए एक गुणक प्रभाव है। भारत के इस क्षेत्र में पहले से ही विश्व स्तर पर जो कुछ भी हो रहा है, उसकी तुलना में इस क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है, जहां प्रमुख पेटेंट के साथ उद्योग और शिक्षा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निर्बाध रूप से काम किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इन साझेदारियों से निकलने वाली प्रमुख खोजों में व्यावसायीकरण की क्षमता देखी जाती है। COVID-19 महामारी के पिछले तीन महीनों के दौरान, भारत ने सरकार के अलावा उद्योग और अकादमियों के साथ सहयोग करने की जबरदस्त क्षमता दिखाई थी, जो एक साथ काम करने का संकेत देती थी। इस गति का अध्ययन करना चाहिए कि वर्तमान बीमारी COVID-19 कैसे बदल रही है और विकसित हो रही है, अन्यथा हम पीछे रह जाएंगे। इसलिए, निश्चित रूप से उद्योग और अकादमिक भागीदारी को बढ़ाने या मौजूदा लोगों को मजबूत करने की जरूरत है। CII सत्र फार्मास्यूटिकल्स में सफल उद्योग-अकादमी सहयोग में शामिल विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श की भी आवश्यकता है। एक अध्ययन का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि उद्योग और अकादमिक सहयोग का विश्व स्तर पर 100 अंक बढ़ गए हैं। यहां तक भारत में, सहयोग के लिए पर्याप्त संभावनाएँ हैं। कहीं न कहीं यह कार्य करने का समय है, जब भारत को COVID-19 को रोकने के लिए बुरी तरह से वैकसीन की आवश्यकता है, क्योंकि परीक्षण के लिए विभिन्न वैकसीन उम्मीदवारों की भारी आवश्यकता है। अब शुरू करने के लिए एबॉट समेत फार्मा कंपनियों ने बोस्टन, मैसाचुसेट्स, हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड के विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम शुरू किया है। एक देश विशिष्ट दृष्टिकोण से, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (Indian Council of Medical Research (ICMR)) काफी काम कर रहा है, लेकिन जिस तरह से वैश्विक अकादमिक संस्थान क्लिनिकल ट्रायल में सहयोग करते हैं, और इसका अनुवाद करते हैं, जिसे वह मरीजों तक ले जाते हैं, उन साझेदारियों को स्थापित करने में समय व्यतीत करते देखा जाता है। चितकारा ने आगे कहा कि अब भारत में, हमें इन सरकारी अनुसंधान संस्थानों के साथ अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर समय बिताने की जरूरत है, और यह भी आकलन करना चाहिए कि क्या उद्योग का वित्तपोषण पर्याप्त है। सीआईआई उत्तरी क्षेत्रीय कमिटी ऑन लाइफ साइंस में नेक्टर लाइफसाइंसेस के एफमेक्ससिल, कार्यकारी निदेशक और चेयरमैन डॉ. दिनेश दुआ ने कहा कि अब उद्योग और शिक्षा करीब काम कर सकते थे। अगर उनकी मानसिकता है, तो बहुत कुछ हो सकता है। वहीं, हम अभी जैनेरिक के कॉपीकॉट संस्करणों को जारी रखते हैं। सहयोग की आवश्यकता पर पुनर्विचार करते हुए, चितकारा ने आगे कहा कि फार्मा उद्योग अनुसंधान और विकास के व्यावसायीकरण के लिए शिक्षाविदों के साथ जुड़ रहा है।

Unichem Laboratories Limited is pleased to announce that it has received AND A approval for its Amiodarone Tablets, USP, 200 mg

Unichem Laboratories Limited is pleased to announce that it has received AND A approval for its Amiodarone Tablets, USP, 200 mg from the United States Food and Drug Administration (USFDA) to market a generic version of COR-DARONE® (amiodarone) tablets of Wyeth Pharmaceuticals Inc. Amiodarone tablets are indicated for the treatment of documented, life-threatening recurrent ventricular fibrillation and life-threatening recurrent hemodynamically unstable tachycardia in adults who have not responded to adequate doses of other available antiarrhythmics or when alternative agents cannot be tolerated. The product will be commercialized from Unichem's Ghaziabad Plant. About Unichem Laboratories Limited Unichem Laboratories Limited is an international, integrated, specialty pharmaceutical company. It manufactures and markets a large basket of pharmaceutical formulations as branded generics as well as generics in several markets across the world. In India, The Company has strong skills in product development, process chemistry and manufacturing complex API as well as dosage forms. More information about the Company can be found at unichemlabs.com For more information please contact: Mr. Pradeep Bhandari Ph: +91-22-66888 404 E-mail: pradeep.bhandari@unichemlabs.com.

Lupin लिमिटेड US में डायबिटीज के ट्रीटमेंट की दवा को फिर देगी बढ़ावा!

ड्रग प्रमुख ल्युपिन लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी बाजार में अपनी डायबिटीज ट्रीटमेंट ड्रग मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड एक्सटेण्डेड-रिलीज टैबलेट (drug Metformin Hydrochloride extended-release tablets) को स्वेच्छा से वापस लेकर आ रही है। एक नियामक फाइलिंग में, कंपनी ने कहा कि वह स्वेच्छा से अपने मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड एक्सटेण्डेड-रिलीज टैबलेट USP, 500 मिलीग्राम और अमेरिका में 1000 मिलीग्राम उत्पादों को लाएगी। फाइलिंग ने आगे कहा, "यह सब कुछ NDMA अशुद्धता स्तरों पर अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (US Food and Drug Administration) के साथ चल रही बातचीत के अनुरूप सावधानी बरतने से बाहर हो रहा है। बता दें कि, ल्युपिन की यूएस सहायक, ल्युपिन फार्मास्यूटिकल्स इंक, यूएस में 500 मिलीग्राम और 1000 मिलीग्राम की ताकत में मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड एक्सटेण्डेड-रिलीज टैबलेट यूएसपी वितरित करती है। वहीं, कंपनी ने कहा, "हम मानते हैं कि संबंधित उत्पादों में पहचाने जाने वाले मुद्दे पता करने योग्य हैं, और हम मौजूदा तिमाही के दौरान अमेरिका में अपने अपडेटेड मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड एक्सटेण्डेड-रिलीज टैबलेट उत्पाद (एस) को फिर से पेश करने की उम्मीद करते हैं। इसके अलावा, हम अलग से स्पष्ट करना चाहते हैं कि भारत में निर्मित और विपणन किए गए कंपनी के सभी मेटफॉर्मिन उत्पादों को एनडीएमए स्तरों के लिए परीक्षण किया गया है, और रोगियों के लिए सुरक्षित होने और सभी प्रासंगिक नियामक मानदंडों का अनुपालन करने के लिए मूल्यांकन किया गया है। कंपनी ने आगे कहा कि "उपरोक्त उत्पाद अपने सक्रिय दवा घटक (Active pharmaceutical ingredient (API)) स्रोत, निर्माण प्रक्रिया और निर्माण स्थलों के संबंध में एक पूरी तरह से अलग आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा हैं। बता दें कि, N&N Nitrosodimethylamine (NDMA) की अशुद्धता, प्रयोगशाला परीक्षणों के परिणामों के आधार पर एक संभावित मानव कार्सिनोजेन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह एक ज्ञात पर्यावरणीय संदूषक है और मीट, डेयरी उत्पादों और सब्जियों सहित पानी और खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड एक्सटेण्डेड-रिलीज टैबलेट, एक ट्रिस्क्रिप्शन ओरल दवा है, जो टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस वाले व्यक्तियों में रक्त शर्करा नियंत्रण में सुधार करने के लिए आहार और व्यायाम के सहायक के रूप में इंगित की जाती है। बीएसई पर ल्युपिन के शेयर 0.76 प्रतिशत बढ़कर 876.35 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

ट्रक से प्रतिबंधित दवा की तस्करी

त्रिपुरा- अगरतला के चंद्रपुर में एक ट्रक में तस्करी कर ले जाई जा रही प्रतिबंधित कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़ी गई है। पुलिस ने 1000 से अधिक प्रतिबंधित कफ सिरप की बोतलें जब्त कर ड्राइवर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। गौरतलब है कि इससे पहले शांतिपारा एरिया में एक ड्रग तस्करी के घर से 13 लाख कैश समेत 52,000 याबा टैबलेट और ब्राउन शुगर जब्त किया गया। वहीं, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 4 लाख से अधिक रकम वाले प्रतिबंधित कफ सिरप को जब्त किया गया था। साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तारी भी हुई थी। तब 47 सौ कफ सिरप की बोतलें जब्त की गई थी। इस माह की शुरुआत में सीमा सुरक्षा बल के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास तस्करी को नाकाम करते हुए फॉसिडिल कफ सिरप की बोतलें, पतंग और धागा की बड़ी खेप जब्त किया है। इसकी कीमत लगभग 3,04,308 रुपये है। इन सामानों को बर्गाव इलाके के गुनारमत सीमा चौकी क्षेत्र से होकर इच्छामती नदी के रास्ते बांग्लादेश ले जाया जा रहा था।

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशन प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लेक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.

InMed THERAPEUTICS INDIA
(AN ISO 9001:2008 CERTIFIED CO.)

a step towards complete
General Healthcare
Diabetic & Cardiac Care

More than 180 Products

Latest DCGI Molecules

We offer a widest range of exclusive Diabetic & Cardiac Care along with general range including Tablets, Capsules, Syrup, Injection. We offer Promotional Inputs, Samples, Visualaid, Gift, MR bag.

Trade enquiries welcome
Financially sound parties may contact for monopoly basis.
Franchise/PCD distributorship on

InMed THERAPEUTICS INDIA
(AN ISO 9001:2008 CERTIFIED CO.)

Ground Floor, 286, Industrial Area, Phase-1 Panchkula (Haryana) Pincod - 134109
Mob. : 9216295095, 9041045095
Email : inmedindia@gmail.com, sales@inmedpharma.in
Website : www.inmedpharma.in

Aurobindo Pharma receives USFDA Approval for Guaifenesin Extended-Release Tablets (OTC)

Aurobindo Pharma Limited is pleased to announce that the company has received final approval from the US Food & Drug Administration (USFDA) to manufacture Guaifenesin extended-release tablets, 600 mg and 1200 mg (OTC). Aurobindo's Guaifenesin extended-release tablets are the AB rated generic equivalent of RB Health (US) LLC's Mucinex® tablets. The product is expected to launch in Q4FY20. Guaifenesin extended-release tablets helps to loosen phlegm (mucus), and thin bronchial secretions to rid the bronchial passageways of bothersome mucus and make coughs more productive. The approved product has an estimated market size of US\$ 301 million for the , according to IRI database. This is the 10 th ANDA (including 1 tentative approval) approved out of Unit X formulation facility in Naidupet, Andhra Pradesh, India used for manufacturing oral products. Aurobindo now has a total of 419 ANDA approvals (392 Final approvals including 21 from Aurolife Pharma LLC and 27 tentative approvals) from USFDA. Phone: +91 (40) 6672 1200

+ PHARMA VETERINARY +

TABLETS/CAPSULES/BOLUS (Beta/Non-Beta)

LIQUID/DRY ORALS

ORAL POWDERS

OINTMENTS/CREAMS/SOLUTIONS/ LOTIONS/DUSTING POWDERS

MOUTHWASH/SHAMPOO/PROTEIN POWDER

INJECTABLES

ECTOPARASITICIDALS (FLUMETHRIN, DELTAMETHRIN, CYPERMETHRIN, AMITRAZ Etc.)

AYURVEDIC PREPARATIONS

Trade Enquiries Please Contact : **FOR FRANCHISEE/PCD** 099960-19744. 078762-20222. 094160-32336. 09896063336
FOR THIRD PARTY : 099960-19744. 89300-63336. 78762-20222.

GRAMPUS LABORATORIES
Mfg. Unit: Jobron, Near Industrial Area, Kala Amb (H.P)
Email-id: sales.grampus@gmail.com Web Site: www.grampuslaboratories.com